संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 268
पृष्ठ 8
शुक्रवार
20 जून 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मियों में बादाम खाना सही या गलत...

विचार- प्रबंधन से ज्यादा जरूरी है आपदा...

खेल- सुदर्शन या करुण, भारत का नया...

देश को सिकलसेल एनीमिया मुक्त बनाने के लिए सभी भागीदार एकजुट होकर करें कार्य: राष्ट्रपति

भोपाल, एजेंसी। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने 'विश्व सिकलसेल रोग जागरुकता दिवस' पर मध्यप्रदेश सरकार के प्रयास की सराहना की है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने इस संबंध में कल अपने संदेश में कहा कि विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए यह बहुत जरूरी है कि सभी देशवासी स्वस्थ हों। स्वस्थ नागरिक ही अपने जीवन, अपने राज्य और हमारे देश की प्रगति में प्रभावी योगदान दे सकते हैं। उन्होंने भारत को सिकलसेल एनीमिया मुक्त बनाने के लिए सभी भागीदारों से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया है। श्रीमती मुर्मु ने मध्यप्रदेश के जिला बड़वानी में 'विश्व सिकलसेल रोग जागरूकता दिवस' आयोजित करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार की सराहना की है। उन्होंने संदेश में कहा कि दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करने वाली सिकलसेल एनीमिया, भारत में जनजातीय आबादी को विशेष रूप से प्रभावित करती है। इसके विरुद्ध दृढ़ संकल्प के साथ लड़ने की दिशा में इस दिवस का मनाया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रपति ने कहा कि दशकों से हमारे आदिवासी समुदाय और पिछड़े क्षेत्रों में कई लोग सिकलसेल एनीमिया का कष्ट झेलते रहे हैं। बीमारी के एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक प्रसार को रोकने के लिए समुदाय स्तर पर स्क्रीनिंग जांच द्वारा पहचान कर ष्जेनेटिक काउंसलिंगष एवं प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। वर्ष 2047 तक भारत को सिकलसेल एनीमिया से मुक्ति दिलाने का राष्ट्रीय संकल्प इस समस्या को जड़ से समाप्त करने की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। राष्ट्रीय सिकलसेल एनीमिया मुक्ति मिशन के अंतर्गत सिकलसेल एनीमिया से प्रभावित लोगों के लिए एकीकृत उपचार केन्द्र स्थापित किए गए हैं, जहां पर रोगियों को आवश्यक औषधियाँ निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि राष्ट्रीय सिकलसेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत हो रहे प्रयासों से राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई जनजातीय समुदायों में बीमारी की पहचान समय पर हो रही है जिससे इलाज और जीवन की गुणवत्ता में सुधार भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि जब सभी हितधारक मिलकर एक सतत, समर्पित और मानवीय दृष्टिकोण से कार्य करेंगे, तभी इस समस्या का जड़ से उन्मूलन संभव हो पाएगा।राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि विकसित भारत के हमारे लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए यह बहुत जरूरी है कि सभी देशवासी स्वस्थ हों। स्वस्थ नागरिक ही अपने जीवन, अपने राज्य और हमारे देश की प्रगति में प्रभावी योगदान दे सकते हैं। उन्होंने भारत को सिकल सेल एनीमिया मुक्त बनाने के लिए सभी भागीदारों को एकजुट होकर कार्य करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हम सब निरंतर एकजुट होकर कार्य करें।"

आने वाले समय में अंग्रेजी बोलने में शर्म आएगी

भाषा विवाद के बीच गृहमंत्री अमित शाह ने ऐसा क्यों कहा?

नई दिल्ली, एजेंसी। भाषा विवाद के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक और मोर्चा खोलते हुए कहा कि देश में अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म आएगी। एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में बोलते हुए गृह मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि देशी भाषाएं भारत की पहचान के लिए केंद्रीय हैं और उन्हें विदेशी भाषाओं पर वरीयता मिलनी चाहिए। शाह ने कहा कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म आने लगेगी – ऐसे समाज का निर्माण अब दूर नहीं है। मेरा मानना है कि हमारे देश की भाषाएं हमारी संस्कृति के रत्न हैं। अपनी भाषाओं के बिना हम सच्चे भारतीय नहीं रह सकते। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने श्मैं बूंद स्वयं, खुद सागर हूंश पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जब देश का कालखंड घनघोर अंधेरी रात्रि जैसा था, तब भी भक्ति साहित्य ने हमारे धर्म, स्वतंत्रता और संस्कृति के दीयों को जलाकर रखा था... साहित्य एक प्रकार से हमारे समाज की आत्मा है... आज हम सभी को देश में परिवर्तन दिख रहा है.. . मुझे विश्वास है कि 2047 तक यह यात्रा निश्चित रूप से हमारे सभी प्रकार के खोए हुए गौरव और समाज को वापस दिलाने का काम करेगी। उन्होंने भारत की भाषाई विरासत को पुनः प्राप्त करने के लिए पूरे देश में नए सिरे से प्रयास करने का आह्वान किया। शाह ने यह भी भविष्यवाणी की कि दुनिया भर में अंग्रेजी को औपनिवेशिक गुलामी के प्रतीक के रूप में देखा जाएगा। उन्होंने कहा, हमारे देश, हमारी संस्कृति, हमारे इतिहास और हमारे धर्म को समझने के लिए कोई भी विदेशी भाषा पर्याप्त नहीं हो सकती। अधूरी विदेशी भाषाओं के माध्यम से संपूर्ण भारत की कल्पना नहीं की जा सकती।

तीन देशों की सफल यात्रा के बाद स्वदेश लौटे मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन देशों की सफल यात्रा के बाद गुरूवार अपराह्न स्वदेश लौट आये। श्री मोदी पांच दिन की यात्रा के अंतिम पड़ाव पर क्रोएशिया से राजधानी दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। प्रधानमंत्री रविवार को यात्रा के पहले पड़ाव पर साइप्रस के लिए रवाना हुए थे। साइप्रस में उन्होंने राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के साथ द्विपक्षीय बैठक में हिस्सा लिया। राष्ट्रपति ने श्री मोदी को साइप्रस के सर्वोच्च सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस ' से सम्मानित किया। साइप्रस में दो दिन के प्रवास के बाद मंगलवार को वह कनाड़ा पहुंचे जहां उन्होंने जी–7 देशों की बैठक में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी की। श्री मोदी बुधवार को यात्रा के अंतिम पड़ाव पर क्रोएशिया पहुंचे। वहां उन्होंने प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविच के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली क्रोएशिया यात्रा थी।

धनखड़ ने की मुर्मु से भेंट

नयी दिल्ली, एजेंसी। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से शिष्टाचार भेंट की। उप राष्ट्रपति सचिवालय ने एक सोशल मीडिया में पोस्ट में यह जानकारी देते हुए बताया कि श्री धनखड़ ने श्रीमती मुर्मु से राष्ट्रपति भवन में भेंट की। श्री धनखड़ ने राष्ट्रपति को एक गुलदस्ता भी भेंट दिया। सूत्रों के अनुसार दोनों नेताओं की यह शिष्टाचार भेंट थी।

आदिवासियों के समर्थन में कांग्रेस की आंदोलन की चेतावनी

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार समेत कांग्रेस के कई नेताओं ने भारतीय जनता पार्टी सरकार पर आदिवासियों के साथ अन्याय, जल–जंगल–जमीन से बेदखली और झूठे आरोपों के जरिए दमन करने के गंभीर आरोप लगाते हुए आज कहा कि अगर 15 दिनों के भीतर सरकार ने आदिवासियों की पट्टे की मांग नहीं मानीं तो कांग्रेस आंदोलन करेगी। सिंघार समेत पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव और कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य कमलेश्वर पटेल ने इस संबंध में संवाददाताओं से चर्चा के दौरान ये आरोप लगाए। तीनों नेताओं ने सरकार की नीतियों को आदिवासी विरोधी बताते हुए कहा कि भाजपा विकास के मुद्दों से भटक चुकी है और अब वह केवल धर्म की राजनीति कर रही है। सिंघार ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह आदिवासियों को उनके पारंपरिक अधिकारों से वंचित कर रही है। हजारों आदिवासी परिवारों के पट्टे बिना किसी पूर्व सूचना के खारिज कर दिए गए हैं।

हनीमून हत्याकांड: राजा से शादी से पहले सोनम ने संजय वर्मा को 234 बार किया था कॉल

शिलांग, एजेंसी। मेघालय पुलिस की विशेष जांच टीम ने पिछले महीने सोहरा में इंदौर के व्यवसायी राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में खुलासा किया है कि राजा की विधवा सोनम रघुवंशी संजय वर्मा नाम के व्यक्ति के साथ नियमित संपर्क में थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक सोनम के मोबाइल नंबर 97701–17734 की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) से पता चला है कि वह रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर 78793–76225 के जरिए संजय वर्मा से लगातार संपर्क में थी। यह भी ज्ञात हुआ है कि संजय 11 मई को राजा से शादी से पहले सोनम से लगातार फोन पर संपर्क में था। मार्च से अप्रैल 2025 के बीच दोनों के बीच मोबाइल पर घंटों बातचीत हुई। सोनम ने 21 दिनों में संजय वर्मा से 234 बार बात की। उन्होंने बताया कि दिलचस्प यह भी है कि मोबाइल नंबर 78793–76225 फिलहाल बंद है और संजय का पता नहीं है। पुलिस महानिदेशक इदाशिशा नोंग्रांग ने यूनीवार्ता से कहा, "सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। हम इस पर काम कर रहे हैं। फिलहाल हम कोई विवरण साझा नहीं कर सकते। राजा की हत्या के मामले की जांच कर रही एसआईटी हर दिन सामने आ रहे नए सबूतों को एक साथ जोड़ने की कोशिश कर रही है ताकि एक मजबूत मामला बनाया जा सके। हमने आरोपी व्यक्तियों और पीड़ित के सभी चार फोन ढूंढ लिए हैं।आरोपियों द्वारा क्षतिग्रस्त किया गया एक फोन राजा के शव के पास मिला था। दो मोबाइल फोन सोनम के थे और चौथा फोन अन्य आरोपियों में से एक का था।" उन्होंने कहा कि आरोपियों ने एक फोन को छोड़कर बाकी फोन को क्षतिग्रस्त कर दिया था और उन्होंने इन्हें शिलांग–सोहरा में अलग–अलग स्थानों पर फेंक दिया था। राजा की हत्या के सिलसिले में गत 23 मई को वेई सावडोंग पार्किंग में एसआईटी ने राज सिंह कुशवाह, आकाश राजपूत और विशाल सिंह चौहान तथा आनंद कुर्मी को गिरफ्तार किया था जिसके कुछ ही घंटों बाद आठ जून को सोनम ने गाजीपुर जिले के नानगंज पुलिस स्टेशन में आत्मसमर्पण कर दिया। श्री नॉनग्रांग ने बताया कि सोनम और राज कुशवाह जांचकर्ताओं के समक्ष विरोधाभासी बयान दे रहे हैं जबकि अन्य तीन आरोपियों के बयानों में बहुत कम विरोधाभास है। विशेष टीम अभी मध्य प्रदेश के इंदौर में है, जहां वह जांच में नए डिजिटल साक्ष्यों का विश्लेषण करने और उन्हें एक साथ जोड़ने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। इस बीच आठ दिन की पुलिस हिरासत पूरी करने के बाद सभी पांचों आरोपियों को गुरुवार को अदालत में पेश किया जाएगा। एसआईटी के सभी आरोपियों की अतिरिक्त पुलिस रिमांड मांगे जाने की उम्मीद है।

उत्तर प्रदेश में मॉनसून ने दी दस्तक, ऑरेंज अलर्ट हुआ जारी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में मानसून ने दस्तक दे दी है। मॉनसून की दस्तक देने के बाद मौसम में फिर बदलाव हुआ है। बुधवार को राज्य के कई जिलों में भारी बारिश हुई है। इस बारिश के कारण तापमान में गिरावट देखने को मिली है। बुधवार को उत्तर प्रदेश में मौसम सुहाना हो गया है। यहां बारिश का सिलसिला और तेज हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी तीन दिनों तक राज्य में भारी बारिश की संभावना है। 24 जून तक बारिश का दौर जारी रहने वाला है। इस दौरान तेज हवाएं चलेंगी। बादल गरजने के साथ बिजली गिरने की चेतावनी भी मौसम विभाग ने जारी की है। राज्य के दोनों संभागों में गरज–चमक के साथ बारिश हो सकती है। उत्तर प्रदेश के कुछ भागों से मॉनसून आगे आ चुका है। पश्चिमी और पूर्वी दोनों संभागो में बारिश हो सकती है। इसका असर वाराणसी और गोरखपुर समेत कई जिलों में देखने को मिलेगा। बादल गरजने के साथ बिजली गिरने की संभावना भी है। 40–50 किलोमीटर की रफ्तार से जोरदार हवाएं चलेंगी। 20 से 22 जून तक राज्य के कई इलागों में बारिश होगी।

अहमदाबाद विमान हादसे में मारे गये 211 लोगों के डीएनए सैंपल का मिलान,189 शव परिजनों को सौंपे

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात के अहमदाबाद सिविल अस्पताल अधीक्षक डॉ. राकेश जोशी ने गुरुवार को कहा कि अहमदाबाद विमान हादसे में मारे गये 211 लोगों के डीएनए सैंपल का मिलान हो गया है। अब तक कुल 189 शव परिजनों को सौंपे जा चुके हैं। डॉ. जोशी ने बताया कि जल्द ही आठ परिवार अपने रिश्तेदारों के पार्थिव शरीर लेने आयेंगे, दो परिवार कल तक पार्थिव शरीर लेने आयेंगे, 11 परिवार अन्य रिश्तेदार से डीएनए मिलान की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 189 मृतकों के बचे शवों में से 142 भारतीय नागरिक,

सात पुर्तगाली, 32 ब्रिटिश नागरिक, एक कनाडाई और सात गैर–यात्रियों के शामिल हैं। डॉ. जोशी ने सौंपे गये शवों का विवरण देते हुये कहा कि इनमें उदयपुर सात, वडोदरा 20, खेड़ा 10, अहमदाबाद 55, मेहसाणा छह, बोटाद एक, जोधपुर एक, अरावली दो, आणंद 16, भरूच पांच, सूरत 11, पाटण एक, गांधीनगर छह, महाराष्ट्र दो, दीव 14, जूनागढ़ एक, अमरेली दो, गिर सोमनाथ पांच, महिसागर एक, भावनगर एक, पटना एक, राजकोट तीन, मुंबई नौ, नाडियाड एक, जामनगर दो, द्वारका दो, साबरकांठा एक, लंदन दो और नागालैंड एक व्यक्ति के शव परिजनों को सौंपे गये। उन्होंने कहा कि चूंकि डीएनए सैंपल मिलान की प्रक्रिया बहुत संवेदनशील है और इसमें कानूनी मामले भी जुड़े हैं, इसलिए इस प्रक्रिया को बहुत गंभीरता और तेजी से पूरा किया जा रहा है। फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी और इससे जुड़े अन्य संस्थान, स्थानीय प्रशासन, स्वास्थ्य और राज्य सरकार के अन्य विभाग और विभिन्न एजेंसियां, मृतकों के शवों को उनके परिजनों को सौंपने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं।

देश में कोरोना संक्रमित 17164 मरीज स्वस्थ हुए, सक्रिय मामले छह हजार से नीचे

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोराना संक्रमित 1219 मरीज के स्वस्थ होने के साथ ही गुरुवार को इस वायरस से निजात पाने वालों की संख्या 17164 तक पहुंच गयी और कुल सक्रिय मामलों की संख्या 5976 रह गयी है। इस अवधि में तीन और मरीजों की मौत से मृतकों की संख्या बढ़कर 116 पहुंच गयी। गौरतलब है कि गत 22 मई को देश में कोराना के मामले सिर्फ़ 257 सक्रिय थे। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमित तीन और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 116 पहुंच गया। इस अवधि में दिल्ली में दो और मरीज की मौत होने से राजधानी में मृतकों की संख्या 15 हो गयी। केरल में एक और मरीज की मौत होने से इस राज्य में मृतकों की कुल संख्या 37 हो गयी है। इस अवधि में जहां 12 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेश में कोरोना के मामलों में वृद्धि देखी, वहीं 10 राज्यों में सक्रिय मामलों में कमी आयी है। जबकि अन्य राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों से कोरोना संक्रमण के मामले प्राप्त नहीं हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार नये उभरते वेरिएंट, विशेष रूप से एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और हाल ही में पहचाने गये एनबी. 1.8.1 सबवेरिएंट के कारण संक्रमण हो रहा है।

भारतीय संविधान की 75 वर्षों की यात्रा महत्वपूर्ण सफलताओं की कहानी : गवई

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने भारतीय संविधान के पिछले 75 वर्षों की यात्रा को महान महत्वाकांक्षा और महत्वपूर्ण सफलताओं की कहानी करार देते हुए कहा कि सामाजिक–आर्थिक न्याय प्रदान करने में इस अवधि की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने इटली के प्रमुख शहर 'मिलान' में 'सामाजिक–आर्थिक न्याय प्रदान करने में संविधान की भूमिका' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान यह विचार व्यक्त किया। उन्होंने बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में कहा, "भूमि और कृषि सुधारों ने सामंती संरचनाओं को खत्म करने, जड़ जमाए पदानुक्रमों की जकड़न को तोड़ने और भूमि और आजीविका तक पहुंच को फिर से वितरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अनगिनत भूमिहीन और हाशिए पर पड़े व्यक्तियों, विशेष रूप से उत्पीड़ित जातियों और समुदायों के लिए ये सुधार आर्थिक स्वतंत्रता और सम्मान हासिल करने का पहला वास्तविक अवसर था।" मुख्य न्यायाधीश ने कहा, "समाज के बड़े हिस्से को हाशिए पर रखने वाली संरचनात्मक असमानताओं को संबोधित किए बिना कोई भी राष्ट्र वास्तव में प्रगतिशील या लोकतांत्रिक होने का दावा नहीं कर सकता। दूसरे शब्दों में, सामाजिक–आर्थिक न्याय दीर्घकालिक स्थिरता, सामाजिक सामंजस्य और सतत विकास प्राप्त करने के लिए एक व्यावहारिक आवश्यकता है।" मुख्य न्यायाधीश गवई ने स्वतंत्रता के बाद से किए गए न्यायिक और विधायी उपायों की सूची पर प्रकाश डालते हुए कहा, "हमें सामाजिक–आर्थिक न्याय की अनिवार्यता को समझना चाहिए। यह केवल पुनर्वितरण या कल्याण का मामला नहीं है। यह प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान के साथ जीने, अपनी पूरी मानवीय क्षमता का एहसास करने और देश के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन में समान रूप से भाग लेने में सक्षम बनाने के बारे में है।" उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान को 26 जनवरी, 1950 को न केवल शासन के लिए एक राजनीतिक दस्तावेज के रूप में अपनाया गया था, बल्कि समाज के लिए एक वादा आशा की किरण के रूप में अपनाया गया था।

गंगा, यमुना का घट रहा जलस्तर

प्रयागराज। गंगा और यमुना के प्रवाह क्षेत्र में बारिश के बाद भी प्रयागराज में दोनों का जलस्तर घट रहा है। फाफामऊ में पिछले 24 घंटे में गंगा का जलस्तर आठ सेमी और नैनी में चार सेमी घटा है। सिंचाई विभाग बाढ़ नियंत्रण कंट्रोल रूम की ओर

से जारी किए गए आंकड़े के मुताबिक सुबह आठ बजे फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 75.81 मीटर था। नैनी में यमुना का जलस्तर 71.52 मीटर दर्ज किया गया। छतनाग में भी गंगा का जलस्तर पिछले 24 घंटे में एक सेमी कम हुआ। कंट्रोल रूम के अनुसार कानपुर बैराज से 3508 और नरोरा 7822 क्यूसेक पानी गंगा में छोड़ा गया। पिछले दो दिन से गंगा में डिस्चार्ज भी स्थिर है। हालांकि हरिद्वार बैराज से गंगा में डिस्चार्ज 37761 मीटर रहा।

बेली, काल्विन के मरीजों के छावनी अस्पताल में इलाज को हरी झंडी

प्रयागराज। बेली (तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय) और काल्विन (मोतीलाल नेहरू मंडलीय चिकित्सालय) के किडनी, न्यूरो, कार्डियो जैसी बीमारियों के मरीजों को अब छावनी अस्पताल से निःशुल्क इलाज की सुविधा मिलेगी। महानिदेशक स्वास्थ्य ने दोनों सरकारी अस्पतालों को छावनी अस्पताल से इलाज में मदद लेने की स्वीकृति दे दी है। अपर निदेशक से हरी झंडी मिलने के बाद जल्द इलाज शुरू होगा। छावनी अस्पताल प्रशासन ने बीते अप्रैल में बेली और काल्विन के किडनी, न्यूरो, कार्डियो जैसी बीमारियों का एआई बेस्ड निरूशुल्क सुपर स्पेशियलिटी टेली आईसीयू के जरिए इलाज का प्रस्ताव दिया था। प्रस्ताव पर बेली और काल्विन अस्पताल प्रशासन ने अपर निदेशक को पत्र भेजा।

अपर निदेशक ने महानिदेशक को पत्र भेजकर अनुमति मांगी थी। छावनी अस्पताल ने दोनों सरकारी अस्पतालों में इलाज की आधुनिक सुविधा उपलब्ध कराने की तैयारी कर ली है। इलाज के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम भी बना ली है। इलाज में सहोयग के पहले महानिदेशक की स्वीकृति का इंतजार हो रहा था। बेली और काल्विन में आने वाले किडनी, न्यूरो, कार्डियो जैसी बीमारियों के मरीजों को बेहतर इलाज के लिए एसआरएन अस्पताल भेजा जाता है। छावनी परिषद के प्रस्ताव में दावा किया गया है कि जिस इलाज के लिए मरीज एसआरएन अस्पताल जाते हैं, वही उपचार मौके पर एआई बेस्ड निरूशुल्क सुपर स्पेशियलिटी टेली आईसीयू के जरिए मिलेगा। मरीजों का ईको डॉप्लर टेस्ट भी न्यूनतम शुल्क में करने का प्रस्ताव है। छावनी अस्पताल के निदेशक सिद्धार्थ पांडेय ने बताया कि स्थानीय स्तर पर समझैते के बाद इलाज शुरू कर देंगे।

चौपाल में बनाए वृद्धजनों के आयुष्मान कार्ड

प्रयागराज। भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता के नेतृत्व में सभी शक्ति केंद्रों में मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर चौपाल लगाकर 70 साल से अधिक उम्र के लोगों का आयुष्मान कार्ड बनवाया गया। दलित बस्ती दरियाबाद में मंडल अध्यक्ष परमानंद ने चौपाल लगाई। जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि कैंप के माध्यम से 70 वर्ष के ऊपर 212 वृद्धजनों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया। इस अवसर पर अभिषेक जायसवाल, विवेक मिश्रा, सुधांशु त्रिपाठी, नीरज टंडन, हिमांशु सोनकर, रोहित भारती, जितेन जायसवाल, मालती केसरवानी, विजय मेहता, लवकुश केशरवानी आदि उपस्थित रहे।,

सूदखोर से परेशान एयरफोर्स कर्मचारी ने फांसी लगाकर दी जान

प्रयागराज। एयरफोर्स के एमटीएस कर्मचारी हेमेंद्र सिंह ने सूदखोर से परेशान होकर जान दे दी। हेमेंद्र का शव घर के समीप डेयरी में फांसी के फंदे पर लटका मिला। परिजनों ने गांव के ही एक सूदखोर के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया है। गांजा गांव निवासी रामाश्रय सिंह एयरफोर्स के रिटायर कर्मचारी हैं। इनके दो बेटों में बड़ा 30 वर्षीय हेमेंद्र सिंह एयरफोर्स में एमटीएस का कर्मचारी था। हेमेंद्र ने घर के समीप ही डेयरी शुरू की थी। डेयरी के टीनशेड के अंदर बुधवार दोपहर लगभग 12 बजे हेमेंद्र ने फांसी लगाकर जान दे दी। थोड़ी देर बाद परिजन जब उसे बुलाने पहुंचे तो फंदे पर हेमेंद्र का शव लटका देखा। इससे कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक के परिजनों ने पुलिस को तहरीर दी कि गांव का किराना व्यापारी तिकलराज सिंह ब्याज पर रुपये देता है। हेमेंद्र ने तिलकराज से दो लाख रुपये कर्ज लिया था। दस प्रतिशत ब्याज वसूलने और आए दिन तिकलराज की धमकी से तंग आकर हेमेंद्र ने आत्महत्या कर ली। परिजनों की मानें तो हेमेंद्र ने डेयरी के अलावा प्लॉटिंग का भी काम शुरू किया था, लेकिन काफी नुकसान हुआ था। हेमेंद्र की मौत से पत्नी मीना, दो छोटे बेटे व अन्य परिजन रो–रोकर बेहाल हैं। थाना प्रभारी विनय सिंह ने बताया कि मृतक के परिजनों की तहरीर पर तिकलराज सिंह के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

शरीर, मन और आत्मा को एक साथ लाता है योग

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में बुधवार को श्सामूहिक सूर्य नमस्कारः ऊर्जा एवं एकाग्रता का अनुभवश विषय के तहत योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षकों और छात्र–छात्राओं को सूर्य नमस्कार की विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास कराया गया। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि सूर्य नमस्कार ऊर्जा और एकाग्रता को बढ़ाता है। यह योग का एक शक्तिशाली अभ्यास है जो शरीर, मन और आत्मा को एक साथ लाता है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि प्रतिदिन अपनी दैनिक व्यस्तताओं में से कुछ समय योग के लिए अवश्य निकालें। मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो. सत्यपाल तिवारी ने कहा कि योग विश्व को भारत की अनुपम देन है। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कहा कि योग मनुष्य के मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक वृत्तियों को परस्पर जोड़ता है। योग शिक्षक अमित सिंह, निकेत सिंह एवं अनुराग शुक्ला ने योग का अभ्यास कराया।

यहां दौड़ रही गंदगी-अव्यवस्था की गाड़ी

प्रयागराज। शहर में प्रमुख रूप से रोडवेज के तीन बस अड्डे हैं जहां से विभिन्न जिलों की बसें मिलती हैं। इनमें सबसे प्रमुख सिविल लाइंस बस स्टेशन हैं जो काफी बड़े दायरे में फैला है, वहीं जीरो रोड बस अड्डा शहर के व्यस्ततम इलाके के बीचोंबीच है जबकि लीडर रोड बस अड्डा आज भी श्याम श्वेत (ब्लैक एंड व्हाइट) फिल्मों के जमाने का प्रतीत होता है। इन सभी बस अड्डों की खास बात यह है कि आइए और बस में सवार हो जाइए, अगर बदकिस्मती से आपको को एक–दो घंटे यहां बस के इंतजार में गुजारने पड़े तो फिर आप व्यवस्था को कोसते रह जाएंगे क्योंकि इन बस अड्डों में न तो बैठने की जगह है, न पीने का पानी और न ही सार्वजनिक प्रसाधन की उचित व्यवस्था।

बस अड्डा परिसर में सफाई की अभाव में हर तरफ कचरा और गंदगी पसरी रहती है। सार्वजनिक शौचालय हों या मूत्रालय, इतने गंदे रहते हैं कि इनमें जाने पर बीमारी का खतरा बना रहता है। सिविल लाइंस बस अड्डा शहर का प्रमुख बस स्टेशन है जहां से पूर्वांचल के जिलों से लेकर दिल्ली तक की बसें संचालित होती हैं। बड़ी संख्या में यात्री यहां से बस पकड़ते हैं। आम दिनों में तो यहां पूरे दिन चहल पहल रहती है वहीं भर्ती परीक्षा और पर्व के दौरान तो ये बस अड्डे खचाखच भरे रहते हैं। यहां बने सार्वजनिक मूत्रालय की हालत देखकर नहीं लगता कि कभी इसकी सफाई होती है। इसके पास से गुजरने पर नाक बंद करनी पड़ती है। लोग आते हैं तो गंदगी देख कर बाहर ही दीवार गंदी कर देते हैं जिसकी दुर्गंध पूरे परिसर में रहती है। सबसे अधिक दिक्कत महिला यात्रियों को होती है। यहां यात्रियों को ठंडा पानी उपलब्ध कराने के लिए वाटर कूलर तो लगा है लेकिन वह विश्रामालय के अंदर है। जो यात्री बाहर से बस पकड़ते हैं उन्हें वाटर कूलर लगे होने की जानकारी नहीं रहती जिससे लोग इसका लाभ नहीं उठा पा रहे। वहीं पुराने शहर के बीचोंबीच स्थित जीरो रोड बस अड्डे से लोग चित्रकूट, मिर्जापुर, रीवा, सोनभद्र, बांदा एवं मध्य प्रदेश के लिए बस पकड़ते हैं। पकड़ते हैं। बस अड्डे के नाम पर यहां एक खिड़की भर दिखती है और बसें सड़क पर खड़ी होती हैं। यहां न तो सार्वजनिक प्रसाधन की कोई सुविधा है और न ही बैठने का उचित स्थान। ठंडे पानी के लिए भी लोग परेशान रहते हैं। बदहाल है जीरो रोड का रैन बसेरा जीरो रोड बस अड्डे पर रैन बसेरा रखरखाव के अभाव में बदहाल हो चुका है। इसकी नियमित सफाई न होने से विश्राम कक्ष कि इसका संचालन एक संस्था कर रही थी। उसका करार खत्म हो जाने के बाद संस्था ने इसे घाटे का सौदा मानते हुए दोबारा इसके संचालन का काम नहीं लिया। इसका टेंडर हुआ लेकिन किसी ने टेंडर लेने में दिलचस्पी नहीं दिखाई नतीजा यह हुआ कि यह प्रसाधन अरसे से बंद है। शिकायतें –सार्वजनिक प्रसाधनों की हालत बदतर है, सफाई न होने से मूत्रालय उपयोग योग्य नहीं रह गए हैं। –लीडर रोड बस अड्डे पर ठंडे पानी क ी व्यवस्था नहीं है, य ा त्र ी प ा न ी ख ा र ी द कर पीते ह ै । –जीरो रोड बस अड्डे का रैन बसेरा रखरखाव टेंडर करा कर इसे संचालित कराया जाए। हमारी भी सुनें ——— बस अड्डे पर सबसे बड़ी दिक्कत शौचालय और मूत्रालय की होती है। गंदगी देखकर लोग मूत्रालय का उपयोग नहीं करते और बाहर दीवारों को गंदा कर रहे हैं जिससे बदबू फैल रही है। सफाई व्यवस्था में सुधार होना चाहिए।–मो. मासूम जीरो रोड बस अड्डे में लगता है कि कभी सफाई नहीं होती। हर तरफ गंदगी है। गंदगी और बदबू के कारण यात्री परेशान रहते हैं। यहां पर बना मूत्रालय तो उपयोग के लायक ही नहीं है। इसका समाधान आवश्यक है।–सुरेश यादव यात्री सफर को लेकर ऐसे ही परेशान रहते हैं, कुछ देर के लिए अगर उन्हें बस अड्डे पर रुकना पड़ता है तो यह परेशानी और बढ़ जाती है। न तो पीने का पानी मिलता है, न बैठने को छांव।–धर्मराज यादव यात्रियों को स्वच्छ और शीतल जल मिले, उनके बैठने की उचित व्यवस्था हो और सबसे बड़ी बात कि बस अड्डे पर सफाई की व्यवस्था बेहतर होनी चाहिए। बस अड्डे पर गंदगी है तो यात्री कहां जाएंगे।–भानु प्रताप मिश्र लीडर रोड बस अड्डे पर एक घंटे से बैठे हैं बस की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यहां कही ठंडे पानी की व्यवस्था न होने पर बोतल का पानी खरीदना पड़ा। बस अड्डे पर ठंडे पानी की निशुल्क व्यवस्था होनी चाहिए।–सुनीता मिश्रा लोग दूर–दूर से आते हैं, गर्मी में परेशान रहते हैं ऐसे में अगर उन्हें निशुल्क ठंडा पानी मिल जाए तो उन्हें काफी राहत मिले। लोगों के बैठने के लिए भी व्यवस्था होनी चाहिए। सफाई तो बेहद जरूरी है।–शिवम दुबे महिलाओं के लिए प्रसाधन की व्यवस्था होनी चाहिए और उनकी नियमित सफाई हो तो काफी सहूलियत हो जाएगी। गर्मी में लोग दूर का सफर तय कर आते हैं उनके लिए ठंडे पानी की भी व्यवस्था बेहद जरूरी है।–गार्गी पांडेय लीडर रोड बस अड्डे पर ठंडे पानी की व्यवस्था होनी चाहिए। मजबूरी में लोग बोतल का पानी खरीद की पीते हैं। वाटर कूलर लग जाए तो लोगों को राहत मिले। यहां प्रसाधन की भी सुविधा नहीं है।–कृष्ण देव पांडेय सार्वजनिक प्रसाधन साफ रहे और लोगों को गर्मी में ठंडा पानी मिले तो यात्रियों को काफी सहूलियत। लोग दूर–दूर से बस पकड़ने आते हैं लेकिन लीडर रोड बस अड्डे पर न तो बैठने की जगह है न पीने का पानी।–तोता राम जीरो रोड बस अड्डे का रैन बसेरा गंदगी से पटा हुआ है। यहां कुत्ते घूमते रहते हैं, मूत्रालय के आसपास इतनी बदबू रहती है कि खड़ा होना मुश्किल है। सफाई व्यवस्था में सुधार हो और पानी का समुचित बंदोबस्त किया जाए।–अंशुल सिंह लीडर रोड बस अड्डे पर बसें बाहर सड़क पर खड़ी रहती हैं जिससे यात्रियों को काफी परेशानी होती है। आवागमन बाधित होता है। लोग बसों के बीच से होकर निकलते हैं जिससे दुर्घटना का खतरा रहता है।–दीपू शर्मा जीरो रोड बस अड्डे पर गंदगी के कारण यात्री परेशान रहते हैं। मूत्रालय की दशा बेहद खराब है, लोग इसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। बस अड्डे पर ठंडे पानी का इंतजाम भी नहीं किया गया है इससे लोग परेशान रहते हैं।–प्रियांशु चौहान जीरो रोड बस अड्डे पर सफाई की हालत बेहद खराब है। जगह–जगह गंदगी फैली रहती है। मूत्रालय में इतनी गंदगी और बदबू रहती है कि लोग वहां न जाकर बाहर चले जाते हैं। इससे और गंदगी होती है। –मो. मोहसिम

इस बस अड्डे की प्रमुख समस्या सफाई व्यवस्था की है। पूरे परिसर में गंदगी पसरी रहती है। जगह–जगह कचरा फैला है। सार्वजनिक शौचालय एवं मूत्रालय जिसका संचालन निजी संस्था कर रही है वहां तो हालत ठीक है लेकिन परिसर में बने मूत्रालय इस कदर दुर्गंध फैला रहे हैं कि उसके पास से गुजरना भी है। यहां की हालत देखकर लगता है कि कई दिनों से सफाई नहीं की गई न ही चूने का छिड़काव किया गया है। जिससे लोग परेशान रहते हैं। वहीं प्रयागराज जंक्शन के सामने स्थित लीडर रोड बस अड्डे से मंझनपुर, सिराथू, चरवा, करारी सहित कौशाम्बी, फतेहपुर और कानपुर के लिए लोग बस में गंदगी पसरी है और कुत्ते घूम रहे हैं। यहां करीब आधा दर्जन पंखे लगे हैं लेकिन कोई चलता नहीं है। कुछ जगहों से तो पंखे उतार लिए गए हैं। यहां यात्री अपना मोबाइल भी चार्ज नहीं कर सकते क्यों कि बिजली का बोर्ड काम नहीं कर रहा है। रैन बसेरा के आसपास कूड़े का अंबार लगा हुआ है जिसके कारण लोगों को काफी दिक्कत हो रही है। कोई संस्था चलाने की इच्छुक नहीं सार्वजनिक शौचालय जीरो रोड बस अड्डे के अंदर यात्रियों की सुविधा के लिए सार्वजनिक प्रसाधन है जिसमें महिला एवं पुरुष दोनों के लिए काफी अच्छी व्यवस्था थी लेकिन यह कई माह से बंद पड़ा है। लोगों ने बताया न होने से बदहाल है, पंखे भी नहीं चलते। –लीडर रोड बस अड्डे पर बीच सड़क पर बसें खड़ी रहती है, आवागमन बाधित होता है। –जीरो रोड बस अड्डे पर सार्वजनिक प्रसाधन कई माह से बंद चल रहा है। समाधान – –सार्वजनिक प्रसाधनों में सफाई व्यवस्था दुरुस्त करा कर दवा का छिड़काव किया जाए। –सभी बस अड्डों पर वाटर कूलर लगाकर निरूशुल्क ठंडे पानी की व्यवस्था की जाए। –रैन बसेरा की हालत में सुधार कर वहां लगे पंखे चलाए जाएं, स्विच बोर्ड बनाया जाए। –सड़क पर कम से कम बसें खड़ी हों ऐसी व्यवस्था की जाए जिससे आवागमन सुगम हो। –जीरो रोड के सार्वजनिक प्रसाधन का पुनरू

पिता का कर्ज चुकाने को रची लूट की साजिश, साथियों संग लूटे 1 लाख 33 हजार

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में पिता का कर्ज चुकाने के लिए दाल कारोबारी के मुंशी ने ही लूट की साजिश रची थी। इस षड्यंत्र में उसके तीन साथी भी शामिल थे। थरवई पुलिस वएसओजी की संयुक्त टीम ने आरोपित मुंशी दिवाकर गुप्ता समेत सुनील कुमार व विवेक कुमार को गिरफ्तार करने के साथ ही लूट के एक लाख 23 हजार 952 रुपये भी बरामद कर लिए हैं। लूट में शामिल एक अन्य आरोपी मनीष विश्वकर्मा फरार है। वह कलंदरपुर का निवासी है।

डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बुधवार को पुलिस लाइन में मामले का खुलासा करते हुए बताया कि मुड्डीगंज निवासी दाल कारोबारी अमर केसरवानी के मुंशी दिवाकर गुप्ता और ओमप्रकाश यादव से 16 जून की दोपहर लगभग एक बजे थरवई थाना क्षेत्र के नाहरपुर तिल्हापुर मोड़ के पास बाइक सवार तीन युवक मारपीट के बाद स्कूटी की डिग्गी से एक लाख 33 हजार 952 रुपये लूट कर फरार हो गए थे। दिवाकर गुप्ता ने ही डायल

112 पर लूट की सूचना दी थी। कारोबारी अमर केसरवानी ने दोनों मुंशी पर आशंका व्यक्त करते हुए तहरीर दी थी।

पुलिस ने जब कड़ाई से पूछताछ की तो दिवाकर गुप्ता ने स्वयं ही अपने तीन दोस्तों के साथ मिलकर लूट का षड्यंत्र रचने का जुर्म कबूल कर लिया। इस वारदात में मुंशी ओमप्रकाश यादव की संलिप्तता नहीं थी। पुलिस ने बनकेशरी शनिदेव मंदिर के पास से कलंदरपुर थाना सोरांव निवासी दिवाकर गुप्ता के साथी सुनील कुमार निवासी पूरेजीत की चकिया थाना थरवई और विवेक कुमार निवासी कलंदरपुर थाना सोरांव को गिरफ्तार किया। साथ ही दिवाकर गुप्ता के घर से लूट के एक लाख 23 हजार 952 रुपये भी बरामद किए।

बैंक के कर्ज का बढ़ रहा था बोझ

पुलिस के अनुसार मुंशी दिवाकर गुप्ता के पिता मदनलाल ने बैंक से तकरीबन चार लाख रुपये ऋण लिया था। बैंक के कर्ज के बढ़ते बोझ को देखते हुए दिवाकर गुप्ता ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर लूट की साजिश रची। दिवाकर गुप्ता अपने साथ मुंशी ओमप्रकाश यादव के साथ 16 जून को करनाईपुर थाना बहरिया के विपिन व हरिश्चंद्र से 93,952 रुपये और सदरगंज थाना सोरांव निवासी दिनेश से 40 हजार रुपये दाल के बकाया का तगादा किया था। इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से नाहरपुर तिल्हापुर मोड़ के पास अपने साथियों से लूट की वारदात को अंजाम दिया था।

10 दिनों में होगा विभागीय समाधान

प्रयागराज। पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता डीके अहिरवार और अधीक्षण अभियंता नरेश कुमार के साथ नियमित वर्कचार्ज कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों की बैठक हुई। कर्मचारियों ने कौशांबी व प्रयागराज के प्रत्येक खंड में अस्थायी कर्मियों को स्थायी करने, नियमित कर्मचारियों की यूनिक आईडी, रिटायर्ड हो चुके कर्मियों की पेंशन सहित कार्य स्थिति का समाधान करने की मांग आला अधिकारियों से की। इस पर मुख्य अभियंता ने समस्याओं का दस दिनों के भीतर समाधान करने के लिए सभी अधिशासी अभियंताओं से पूरी सूची बनाकर उसका समाधान करने का निर्देश दिया। इस मौके पर संघ के मंडल अध्यक्ष रवि शंकर मिश्र, धर्मराज, करुणेश प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

दिल्ली में फ्लैट दिलाने के नाम पर 11.84 लाख की ठगी

प्रयागराज। दिल्ली में फ्लैट दिलाने के नाम पर एक व्यक्ति से 11.84 लाख रुपये की ठगी का मामला प्रकाश में आया है। रुपये वापस मांगने पर ठग धमकी दे रहे हैं। पीड़ित ने नई दिल्ली निवासी अनिता सिंह और शत्रुघ्न सिंह के खिलाफ जार्जटाउन थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। जार्जटाउन के लिडिल रोड निवासी शिवकुमार मिश्र की तहरीर के अनुसार, उन्हें बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए दिल्ली या नोएडा में फ्लैट लेना था। इसके लिए वह परिचित एमके गुप्ता व कमलाकांत तिवारी के साथ दिल्ली गए थे। जहां एमके गुप्ता की परिचित अनिता सिंह मिली। अनिता ने अपने सहयोगी शत्रुघ्न सिंह के साथ दिल्ली में 35 लाख व 48 लाख कीमत का फ्लैट दिखाया। 28 फरवरी 2024 को शत्रुघ्न सिंह ने जल्द ही रजिस्ट्री होने की बात कहते हुए 11.84 लाख रुपये जमा करा लिया। लेकिन, फ्लैट की रजिस्ट्री नहीं की गई। आरोप है कि नौ मई को रुपये वापस मांगने पर आरोपी ने गाली–गलौज करते हुए रुपये वापस नहीं देने की धमकी दी।

दो असिस्टेंट प्रोफेसरों का 11 दिन में तीन बार तबादला

प्रयागराज। प्रयागराज संजोग मिश्र प्रदेश के राजकीय महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर के स्थानांतरण में जमकर मनमानी हुई है। नियम विरुद्ध तबादलों को लेकर तरह–तरह की चर्चाएं हैं। सबसे चौंकाने वाली बात तो है कि दो असिस्टेंट प्रोफेसरों का 11 दिन में तीन महाविद्यालयों में तबादला कर दिया गया। राजकीय महाविद्यालय कुछेछा हमीरपुर में संस्कृत की शिक्षिका डॉ. वंदना कुमारी और राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय माधवपुरम मेरठ में रसायन विज्ञान के शिक्षक डॉ. सुरेश कुमार पटेल के लिए पांच से 15 जून के बीच तीन बार तैनाती आदेश जारी हुए हैं। डॉ. वंदना का पांच जून को हमीरपुर से राजकीय महाविद्यालय जखौरा ललितपुर और डॉ. सुरेश कुमार पटेल का मेरठ से राजकीय महाविद्यालय मेजा प्रयागराज तबादला हुआ था।

उसके बाद 15 जून को डॉ. सुरेश कुमार पटेल का तबादला मेजा से वापस मेरठ और 15 जून को ही उनका तबादला मेरठ से राजकीय महाविद्यालय सिराथू कौशांबी स्थानान्तरण हो गया। इसी प्रकार 15 जून को डॉ. वंदना का ट्रांसफर हमीरपुर से राजकीय महाविद्यालय नौगढ़ चंदौली और राजकीय महाविद्यालय राबर्टसगंज सोनभद्र हो गया। यही नहीं नियम विरुद्ध तरीके से असिस्टेंट प्रोफेसर का तबादला उनके गृह जनपद में कर दिया गया जबकि राजकीय महाविद्यालयों के प्रवक्ता समूह–क के अधिकारी है और उनकी नियुक्ति गृह जनपद में नहीं की जा सकती है। जिन शिक्षकों को गृह जनपद में तैनाती दी गई है उनमें अजय कुमार सोनकर (चंदौली), डॉ. सुचित्रा कृष्णमूर्ति (प्रयागराज), डॉ. हेमन्त (बुलंदशहर), डॉ. योगेन्द्र कुमार (गाजियाबाद), डॉ. अजय कुमार (मेरठ), डॉ. हिमांशु श्रीवास्तव (लखनऊ) और डॉ. तनय मिशेल शाह (लखनऊ) शामिल हैं। आकांक्षी जिले के कुछ असिस्टेंट प्रोफेसर का प्रतिस्थानी के बगैर तबादला कर दिया गया। उदाहरण के लिए राजकीय महाविद्यालय बहुआ देहात फतेहपुर में मनोविज्ञान के एकमात्र शिक्षक विशाल गुप्ता का तबादला राजकीय महाविद्यालय मेजा हो गया। राजकीय महाविद्यालय मानिकपुर चित्रकूट के रसायन विज्ञान के शिक्षक डॉ. अयूब अहमद और राजनीति शास्त्र के शिक्षक डॉ. विजय प्रकाश यादव का स्थानान्तरण क्रमशरू राजकीय महाविद्यालय मोदीनगर गाजियाबाद और राजकीय महिला महाविद्यालय फूलपुर प्रयागराज हो गया। अब इनके पूर्व कॉलेजों में इनका विषय कौन पढ़ाएगा पता नहीं। कई शिक्षक ऐसे हैं जिनका तबादला पिछले साल हुआ था और इस साल फिर से मनमानी तैनाती कर दी गई जबकि तीन साल बाद ट्रांसफर होना चाहिए। डॉ. राजेश कुमार का तबादला पिछले साल मिर्जापुर से फतेहपुर हुआ था और इस साल फतेहपुर से प्रयागराज भेज दिया गया। डॉ. शिल्पी का पिछले साल गौतमबुद्धनगर से अलीगढ़ और इस साल अलीगढ़ से वापस गौतमबुद्धनगर ट्रांसफर हो गया।

थानों के सामने सड़कों पर कबाड़ हो रहे जब्त वाहन

प्रयागराज। प्रयागराज के अधिकांश थानों में परिसर के अंदर से लेकर बाहर सड़क किनारे जब्त वाहनों का जमावड़ा है। वर्षों से खड़े अधिकांश वाहन कबाड़ में तब्दील हो चुके हैं। शहर में सड़क किनारे खड़े 200 से अधिक जब्त वाहनों से हमेशा दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। अफसोस मुख्यमंत्री के आदेश के बाद भी पुलिस के आलाधिकारियों की ओर से इन वाहनों के निस्तारण की कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है। प्रयागराज जिले में कुल 42 थाने हैं। शहर में कुल 16 थाना भवन हैं। पांच हजार से अधिक जब्त दोपहिया व चारपहिया वाहन खड़े–खड़े कबाड़ हो रहे हैं। वहीं जगह के अभाव में काफी संख्या में वाहनों को थाने के बाहर सड़क किनारे खड़े कर दिए गए हैं। शहर के थानों के बाहर ऐसे करीब 200 से अधिक वाहन खड़े हैं। महाकुम्भ मेला शुरू होने से पहले निरीक्षण करने पहुंचे डीजीपी के आदेश पर सिविल लाइंस सहित अन्य थानों के बाहर खड़े वाहनों को हटाकर ग्रामीण अंचल के थानों में जब्त कुछ वाहनों को भेजा गया था। हाल ही में गोरखपुर में मुख्यमंत्री ने कैंट थाने के सामने खड़े जब्त वाहनों को देख नाराजगी जताई थी। उन्होंने प्रदेश के सभी थानों के बाहर खड़े वाहनों को यथाशीघ्र हटाने का आदेश जारी किया था। डीसीपी नगर अभिषेक भारती का कहना है कि थानों में जब्त वाहनों के अधिकांश मामले न्यायालय में विचाराधीन हैं। वहीं लावारिस वाहन भी सीज किए गए हैं। इन वाहनों को जल्द ही नीलामी प्रक्रिया पूरी कर निस्तारित करने की पहल की जाएगी। पांच साल से नहीं हुई नीलामी पुलिस सूत्रों की मानें तो पांच साल से जब्त वाहनों की नीलामी ही नहीं की गई।

संक्षिप्त

अखण्ड पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन की प्रदेश स्तरीय बैठक शनिवार को शारदा संगीत महाविद्यालय में

प्रतापगढ़। अखण्ड पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन भारत पंजीकृत की प्रदेश स्तरीय बैठक 21 जून दिन शनिवार को समय 11 बजे पूर्वाहन स्थान शारदा संगीत महाविद्यालय सिनेमा रोड, बाबागंज प्रतापगढ़ में आयोजित की गई है। जिसमें संगठन की प्रदेश स्तरीय कार्यो की समीक्षा होने के साथ ही जिम्मेदार लोगों को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। वहीं लापरवाह लोगों को पद मुक्त करने की भी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। प्रदेश महामंत्री ओपी गुप्ता ने बताया कि अखण्ड पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन भारत के वरिष्ठ एवं समर्पित पदाधिकारी शैलेन्द्र द्विवेदी के आकस्मिक निधन पर शोक सभा आयोजित की जाएगी। उसके उपरान्त राष्ट्रीय अध्यक्ष शील गहलौत के दिशानुक्रम में जिले से लेकर प्रदेश अध्यक्ष तक के पदों पर आम सहमति से जिम्मेदार लोगों का चयन कर मनोनयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही साथ अपवा में विश्वास रखने वाले नए पत्रकार साथियों की सदस्यता भी सुनिश्चित कराई जाएगी। इस विशेष कार्यक्रम में अपवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शील गहलौत बतौर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे और उन्हीं के देखरेख में समीक्षा एवं पदाधिकारियों के चुनाव की प्रक्रिया मनोनयन कर आम सहमति से सुनिश्चित कराई जाएगी।

गैंडों के संरक्षण के लिए दुधवा में स्थापित करेगी दो नए गैंडा पुनर्वास केंद्र

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार ने लखीमपुर के दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में गैंडों के संरक्षण के लिए दो नए गैंडा पुनर्वास केंद्र बनाने का फैसला किया है। बृहस्पतिवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश के वन एवं वन्य जीव विभाग ने गैंडों और अन्य संकटग्रस्त वन्य जीवों के प्राकृतिक आवास के संरक्षण के लिए एक महत्वाकांक्षी कार्य योजना शुरू की है। बयान के अनुसार इस पहल के तहत लखीमपुर के दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में गैंडों के संरक्षण के लिए दो नए गैंडा पुनर्वास केंद्र बनाए जाएंगे। बयान में कहा गया है कि इस परियोजना के लिए विभाग को एक करोड़ 50 लाख रुपये की धनराशि आवंटित की गई है, जो प्रदेश में गैंडों और अन्य संकटग्रस्त वन्य जीवों के प्राकृतिक आवास के दीर्घकालिक संरक्षण, उनकी निगरानी, औषधि और उपकरणों की खरीद के लिए इस्तेमाल की जाएगी।बयान के अनुसार इसके अलावा स्थानीय लोगों को गैंडे व अन्य वन्य जीवों के संरक्षण के प्रति जागरूक करने के कार्य में भी यह धनराशि इस्तेमाल होगी। दुधवा राष्ट्रीय उद्यान के उप निदेशक रंगाराजू ने बताया कि इस परियोजना के लिए एक करोड़ 50 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।

पाकिस्तान के भरोसे सत्ता पाने का ख्वाब पाल रही कांग्रेस : केशव प्रसाद

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बृहस्पतिवार को देश के मुख्य विपक्षी राजनीतिक दल कांग्रेस पर हमला बोलते हुए दावा किया कि पाकिस्तान के भरोसे कांग्रेस सत्ता पाने का ख्वाब पाल रही है।उप मुख्यमंत्री मौर्य ने सोशल मीडिया मंच "एक्स" पर एक पोस्ट में कहा कि "कांग्रेस अब देश की जनता के बजाय पाकिस्तान के नेताओं के भरोसे पर ज्यादा निर्भर है।" उन्होंने कहा कि "पाकिस्तान के भरोसे कांग्रेस सत्ता पाने का ख्वाब पाल रही है।" मौर्य ने भारत–पाक संघर्ष पर कांग्रेस के कुछ नेताओं की हालिया टिप्पणियों को लेकर निशाना साधा।

अखिलेश यादव ने राहुल गांधी को दी जन्मदिन पर बधाई

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। विपक्षी दलों के समूह 'इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन के प्रमुख घटक सपा के मुखिया यादव ने अपने आधिकारिक "एक्स" खाते पर एक पोस्ट में अपने बधाई संदेश में कहा "राहुल गांधी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई व सौहार्दपूर्ण, समावेशी, समायोजनकारी समग्र सामाजिक–राजनीतिक सक्रियता के लिए शुभकामनाएँ!" बता दें कि राहुल गांधी का जन्म 19 जून, 1970 को नई दिल्ली में हुआ था। वह पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की ज्येष्ठ संतान हैं। वर्तमान में वह उत्तर प्रदेश के रायबरेली से लोकसभा सदस्य हैं।

40 साल से प्लाट के लिए चक्कर काट रहा सिपाही,एलडीए के जनता अदालत में फिर मिला सिर्फ आश्वासन

लखनऊ, संवाददाता। रिटायर्ड सिपाही बी.सी. श्रीवास्तव की आंखें अब थक चुकी हैं, लेकिन उम्मीद की लौ अब भी बुझी नहीं है। गुरुवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की जनता अदालत में वो एक बार फिर अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। आवाज में थकान थी पर दिल में 40 साल से दबा दर्द साफ दिख रहा था। बी.सी. बोले 1985 में हमारी जमीन उजरियांव में अधिगृहीत हुई थी। वादा किया गया था कि दूसरी जगह जमीन दी जाएगी, लेकिन अब तक सिर्फ वादे मिले हैं, जमीन नहीं। पहले व्योम योजना के तहत जमीन का आवंटन हुआ, फिर योजना ही रद्द कर दी गई। न मुआवजा मिला, न प्लॉट। जीवन के 40 साल सिर्फ दफ्तरों के चक्कर काटने में बीत गए। यह तो सिर्फ बानगी मात्र है। जनता अदालत में तमाम ऐसे फरियादी पहुंचे, जो सालों से अफसरों का चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उनका समाधान नहीं हो रहा है। अफसर हर बार सिर्फ आश्वासन देकर लौटा दे रहे हैं। फरियादी अफसरों की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं।

यूपीः आठ साल में 234 दुर्दांत अपराधियों का हुआ एनकाउंटर, 9,202 अपराधी हुए घायल

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में पिछले आठ वर्ष में 234 दुर्दांत अपराधी पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारे गए जबकि 9,202 अपराधी घायल हो गये। एक आधिकारिक बयान में बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी गयी। बयान में कहा गया है कि प्रदेश में योगी आदित्यनाथ नीत सरकार ने कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति (जीरो टॉलरेंस नीति) के तहत पिछले आठ वर्ष में अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की। इस दौरान 234 दुर्दांत अपराधियों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया। बयान के अनुसार इस दौरान पुलिस के साथ मुठभेड़ की 14,741 घटनाएं हुईं, जिनमें 30,293 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं अपराधियों से मुकाबला करते हुए 18 पुलिसकर्मियों की मौत हो गयी जबकि 1,700 पुलिसकर्मी घायल हुए। उत्तर प्रदेश के कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण के हवाले से बयान में कहा गया कि प्रदेश में सबसे अधिक मुठभेड़ मेरठ जोन में हुई जहां पुलिस ने 4,183 कार्रवाई की। इनमें 7,871 अपराधी पकड़े गए जबकि 2,839 अपराधी घायल हो गए। इस दौरान 77 कुख्यात अपराधी मौके पर ही मारे गए। इस दौरान 452 पुलिसकर्मी घायल हुए जबकि अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के मामले में मेरठ जोन पूरे प्रदेश में पहले स्थान पर रहा है। उन्होंने कहा कि वाराणसी जोन में मुठभेड़ की 1,041 घटनाएं हुईं, जिनमें 2,009 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया जबकि 26 अपराधियों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया। इस दौरान 605 अपराधी और 96 पुलिसकर्मी घायल हुए। पूरे प्रदेश में वाराणसी जोन मुठभेड़ मामले में दूसरे स्थान पर है। बयान के मुताबिक इस संबंध में आगरा जोन राज्य में तीसरे स्थान पर है। यहां 2,288 मुठभेड़ की घटनाएं हुईं, जिनमें 5,496 अपराधियों को दबोचा गया। इस दौरान 715 अपराधी घायल हुए जबकि 19 अपराधी मार गिराए गए। मुठभेड़ के दौरान 56 पुलिसकर्मी घायल हुए। बयान के मुताबिक योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले आठ वर्ष में राज्य पुलिस ने "अपराधी या तो जेल में होगा या प्रदेश से बाहर" के संकल्प को धरातल पर उतारा। इससे अपराधियों में भय और आम जनता में सुरक्षा की भावना बढ़ी है। इसमें कहा गया है कि यही वजह है कि प्रदेश की कानून–व्यवस्था की सराहना राष्ट्रीय स्तर पर हो रही है।

22 जून को अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की कार्यकारिणी का चुनाव

लखनऊ, संवाददाता। 22 को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का खुला राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किया गया है। जिसमें 27 प्रदेशो से राष्ट्रीय प्रतिनिधियों पदाधिकारियों सहित जन प्रतिनिधि एवम मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ सहित केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिह शेखावत को भी आमंत्रित घकिया गया है। गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में वरिष्ठ राष्ट्रीय महामंत्री कार्यक्रम प्रभारी संयोजक राघवेन्द्र सिह राजू ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इस अधिवेशन में 100 जनप्रतिनिधियों और प्रतिनिधियों को चुनाव के बाद सम्मानित किया जाएगा। राघवेन्द्र ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद कुंवर हरिवंश सिंह करेंगे। उन्होंने बताया कि राजधानी मे वर्तमान हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद लोकसभा कुंवर हरिवंश सिह लगातार 75 साल से संगठन को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। उनके नेतृत्व मे तीन पदयात्राए संचालित हुई है। हमारे संगठन का खाडी से पहाडी तक घविस्तार हुआ है। राघवेन्द्र ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि लखनऊ, दिल्ली मुम्बई में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के कार्यालय बनाए जाएं। सभी वर्गो मे सामंजस्य बनाकर देश की उन्नति संभव है। देश में ही नहीं विदेशो मे भी हमारे सामाजिक संगठन अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की प्रशंसा की जाती है। राघवेन्द्र राजू ने कहा कि वह 40 साल से संगठन क्षत्रिय समाज को एकजुट कर देश का भविष्य बना रहा है। क्षत्रिय राजपूताना विरासत मे तय नही होते सियासत के रिश्ते अखंड भारत निर्माण मे देश को रियासतों को दिया था पर आज वोट बैक की राजनीति जातियों मे उन्माद पैदाकर सत्ता सिंघासन की लडाई मे राजपूताना हाशिए पर खडा है। दो दशक बाद लखनऊ में संगठन का बड़ा अधिवेशन आयोजित किया जा रहा है। 100 नेता मंत्रियों को सम्मानित किया जायेगा। करीब 50 क्षत्रिय विधायक ने आने का निमंत्रण स्वीकार किया है। इस अधिवेशन में कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। कार्यक्रम से जनप्रतिनिधियो राष्ट्रीय प्रतिनिधियों मे समन्वय बने सामूहिक एकता के सूत्र मे खुले अधिवेशन मे 21 जून को नामांकित जिसको नेतृत्व करना वह आगे आए समाज को उसका हक दिलाए प्रेस वार्ता मे वीरपाल भदौरिया पारस चौहान भुवनेश्वर सिह जय गोबिंद सिह आलोक सिह अमरेन्द्र सिह डॉ राजीव पुन्डीर युवा अध्यक्ष दुर्गश सेंगर सहित आयोजन से जुडे पदाधिकारी गण मौजूद रहे ।

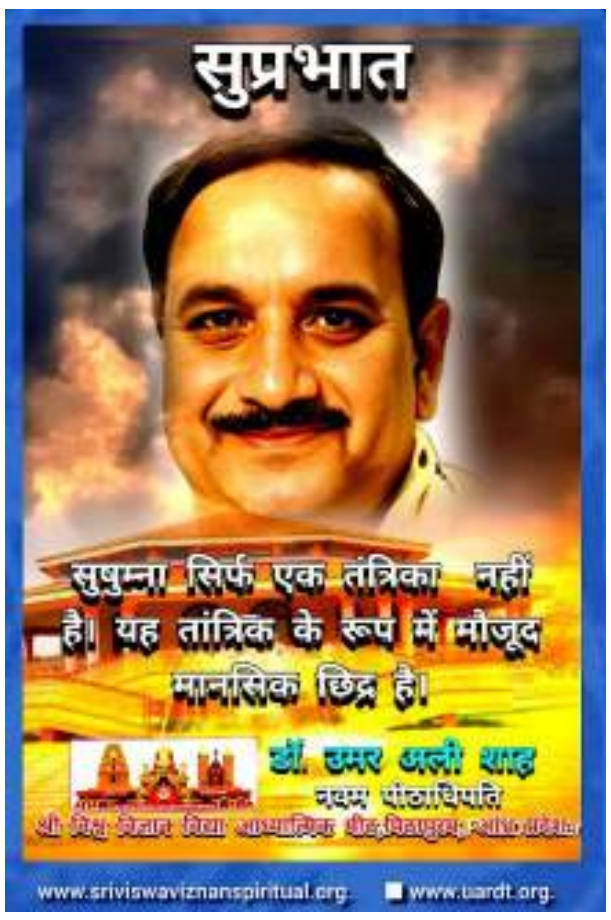

लोडर–डंपर की टक्कर में दो युवकों की मौत

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ–कानपुर हाईवे पर बुधवार की रात करीब 1 बजे लोडर–डंपर में भीषण टक्कर हो गई। इसमें दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों के शव वाहन पर बुरी तरह से फंस गए थे। दोनों की पहचान सीतापुर के पंकज गुप्ता (24) और दीपू गुप्ता (27) के रूप में हुई। बताया गया कि दोनों चचेरे भाई थे। लोडर पंकज चला रहा था। साइड की सीट पर दीपू बैठा था। लोडर में एक अन्य युवक भी बैठा था जो हादसे में बच गया है। सूचना के बाद मृतकों के निवास सीतापुर जिले के ब्राह्मणी टोला और शंकरगंज बिसवां में कोहराम मच गया है। मृतक दीपू की पत्नी का रो–रोकर बुरा हाल है। उसके 3 बच्चे हैं। बताया जा रहा है कि दोनों भाई ताजिया मोहर्रम का सामान लेकर कानपुर से लौट रहे थे। डंपर खड़ा था। उसमें पीछे से लोडर टकरा गया। हादसे की

सूचना मिलते ही बंथरा थाने की पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन में फंसे दोनों युवकों के शवों को बाहर निकाला। मृतक पंकज के बड़े भाई विकास ने बताया कि गाड़ी में तीन लोग सवार थे। पिकअप के पीछे एक लड़का अशोक पीछे बैठा था। उसे कुछ नहीं हुआ। न पंकज और न ही दीपू शराब नहीं पीते थे। पंकज की अभी शादी नहीं हुई है। माता–पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। पंकज कुल पांच भाई–बहन है। वहीं, मृतक दीपू की पत्नी का रो–रोकर बुरा हाल है। वह बेसुध हो जा रही है। उसने बताया मेरे पति ठेले पर काम करते हैं। मेरे 2 लड़के और एक लड़की है। अब ये तीनों बच्चे अनाथ हो गए। इनका कोई सहारा नहीं रहा। थाना प्रभारी जूनियर बिजेंद्र ने बताया रात में हुए एक्सीडेंट में दो लोगों की मौके पर मौत हो गई थी। दोनों मृतक रहने वाले सीतापुर के हैं। स्थानीय पुलिस से संपर्क किया गया है। मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। बंथरा थाना क्षेत्र में सरोज पाइप कंपनी के सामने पेट्रोल पंप के पास डंपर खड़ा था। उसी में पीछे से तेज रफ्तार लोडर टकरा गया। लोडर में प्लास्टिक दाना और अन्य सामान लदा था। बताया गया कि दोनों ताजिया का सामान लेकर कानपुर से बिसवां जा रहे थे। सूचना मिलते ही पुलिस और सरोजनी नगर की फायर टीम मौके पर पहुंची। एफएसओ सुमित प्रताप सिंह के नेतृत्व में टीम ने लोडर वाहन का केबिन काटकर दोनों को बाहर निकाला।घायलों को तुरंत सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद अज्ञात वाहन का चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है।

बम्बइया आम

(कुण्डलिया)

बहुत लोकप्रिय आम है, बम्बइया है नाम।
पकने पर दिखता हरा, मीठा स्वाद ललाम।
मीठा स्वाद ललाम,दाम है जिसका सस्ता।
मस्ती में हो चूर, चले यह राफ्ता राफ्ता।
सुन लो कहें प्रदीप, आम इक खाओ साबुत।
माँगोगे दस बार, करोगे तारीफ़ बहुत।।

चंपारण सीतामढ़ी, मिथिलांचल का आम।
बम्बइया के नाम से, जग को दे पैगाम।
जग को दे पैगाम, न कमतर हमको समझो।
खुद में भरो मिठास, वहम को मत अति पालो।
सुन लो कहें प्रदीप,विदेशो का आकर्षण।
इसके अपने पुत्र, बताता है चंपारण।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

यूपी में आ गया मानसून... इन जिलों में झमाझम बरसेंगे मेघ; गरज-चमक संग वज्रपात का भी अलर्ट

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में बुधवार से दक्षिणी हिस्से से मानसूनी बारिश शुरू हो गई है। अब इसका दायरा बढ़ता जा रहा है। यह धीरे–धीरे तराई, मध्य और पश्चिमी इलाकों तक बढ़ता दिखाई दे रहा है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि शुक्रवार को बारिश के क्षेत्रफल और तीव्रता में और बढ़ोतरी आएगी। मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए पूर्वी–दक्षिणी यूपी और बुंदेलखंड के बांदा, झांसी, ललितपुर समेत कुल 12 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। साथ ही मध्य व पश्चिमी यूपी के 23 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं प्रदेश के 55 जिलों में गरज–चमक के साथ वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है। बारिश के दौरान इन इलाकों में तेज झोंकेदार हवाएं भी चलने के आसार हैं। मानसून के दाखिल होने के साथ ही बृहस्पतिवार को यूपी के फिरोजाबाद में सर्वाधिक 120 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं आगरा, मथुरा, अलीगढ़, फिरोजाबाद, इटावा, बुलंदशहर, मेरठ, बरेली, सीतापुर, लखनऊ, बाराबंकी, बहराइच, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, सोनभद्र, वाराणसी, सुल्तानपुर में भी हल्की से माध्यम बारिश देखने को मिली। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 20 जून को यूपी के विभिन्न हिस्सों में बारिश की तीव्रता और क्षेत्रफल में विस्तार देखने को मिलेगा।

इन जिलों में भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट

बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, भदोही, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

इन जिलों में मेघगर्जन के साथ वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट

बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, गोंडा, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर एवं आसपास के इलाकों में मेघगर्जन के साथ वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

जौनपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

जौनपुर। शहर समता विचार मंच जौनपुर की महिला काव्य गोष्ठी डॉ मधु पाठक के संयोजन में अर्चना चौहान की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि डॉ पूनम श्रीवास्तव एवं विशिष्ट अतिथि डॉ सुषमा मिश्रा, डॉ रीना श्रीवास्तव रहीं। यह काव्य गोष्ठी शाम 5 बजे से 6.30 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही अर्चना चौहान के द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति डॉ मधु पाठक द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन डॉ मधु पाठक ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सभी महिला रचनाकारों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा इस आयोजन को सफल बनाया । जिसमें डॉ रीना श्रीवास्तव ने ''हम आपके अपने हैं', अनामिका उपाध्याय ने 'ये कहानी थोड़ी अलग है', डॉ पूनम श्रीवास्तव ने 'पिताजी', चेतना सिंह ने 'सच कहते हैं लोग', डॉ रेनू राय ने 'कली को खिलने से', डॉ सुषमा मिश्रा ने 'जीना नहीं आया तुम बिन', डॉ नीलू सिंह ने 'पहिलै प्रकृति', डॉ सुमन सिंह ने 'वृक्ष नहीं लगाओगे', डॉ मधु पाठक ने 'सियाराम' कविता का पाठ किया। धन्यवाद ज्ञापन चेतना सिंह ने किया।

सम्पादकीय.....

रडार पर पाक

आखिरकार भारत की चिर–प्रतीक्षित मांग कि पाकिस्तान को आतंकवाद के पोषण के लिये कटघरे में खड़ा किया जाए, हकीकत बनती नजर आ रही है। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद विश्व जनमत को पाकिस्तान की हकीकत बताने के जो सार्थक प्रयास किए थे, वे फलीभूत होते नजर आ रहे हैं। अब वैश्विक वित्तीय कार्रवाई कार्य बल यानी एफएटीएफ, जो मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण गतिविधियों के लिए वैश्विक निगरानी संस्था है, ने अंततः 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की है। एफएटीएफ ने भारत की तार्किक दलील पर ही मोहर लगायी है। एफएटीएफ ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि 'ऐसे घटनाक्रम बिना पैसे और आतंकवादियों के समर्थकों के बीच फंडों के स्थानांतरित करने के बगैर नहीं हो सकते।' आतंकवाद के लिए फंडिग के रिकॉर्ड की निगरानी करने वाली इस संस्था ने फरवरी 2019 में पुलवामा आत्मघाती हमले की भी निंदा करते हुए ऐसे ही शब्दों का उपयोग किया था। लेकिन इस बार का अंतर यह है कि एफएटीएफ ने घोषणा की है कि 'राज्य प्रायोजित आतंकवाद' इसकी आगामी रिपोर्ट में आतंकवाद के वित्तपोषण मामलों की जांच का हिस्सा होगा। दरअसल, पहलगाम नरसंहार के बाद भारत लगातार पाकिस्तान को फिर से एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डालने की मांग करता रहा है। जो पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय ऋणों तक पहुंच को गंभीर रूप से सीमित कर देगा। उल्लेखनीय है कि पाक को वर्ष 2022 में इस सूची से हटा दिया गया था। दरअसल, पाकिस्तान गढ़े हुए तर्कों के आधार पर इस निगरानी संगठन को मनाने में सफल रहा था कि वह धन शोधन और आतंकवाद वित्तपोषण से निपटने के लिये अपने सिस्टम में सुधार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रबल विरोध के बावजूद इस्लामाबाद ने अंतर्राष्ट्रीय मद्रा कोष यानी आईएमएफ से एक अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज हासिल करने में कामयाबी हासिल कर ली थी। हालांकि, इस बेलआउट पैकेज के साथ कई कड़ी शर्तों का सामना भी पाकिस्तान को करना पड़ेगा। यह विडंबना ही कि पश्चिमी देश अपने स्वार्थों के लिये आतंकवाद पोषण की परिभाषा ही बदल देते हैं। उन्हें मानवता के प्रति अपराध करने वाले देश अपने निहित स्वार्थों के चलते पाक–साफ नजर आने लगते हैं। भारत समेत अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी तब हैरान हुई जब आईएमएफ ने दावा किया कि पाकिस्तान ने अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिये संतोषजनक प्रगति की है। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी के सामने बेनकाब किया। भारत ने दुनिया को बताया कि कैसे पाकिस्तान आतंकवाद की पाठशालाओं को स्वास्थ्य केंद्रों या स्कूलों के रूप में छिपा रहा था। पाकिस्तान का मकसद था कि इससे दुनिया को आतंकवाद के प्रशिक्षण केंद्रों का पता नहीं चलेगा और वह वैश्विक संगठनों की सजा से बच जाएगा। दरअसल, पाकिस्तानी हुकमरान हमेशा से खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताकर अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी से मदद हासिल करने की फिराक में रहते हैं। भारत ने इस खतरे का हवाला देते हुए विश्व जनमत को हकीकत से अवगत कराने का प्रयास किया है। अब यह एफएटीएफ के कर्ता–धर्ताओं के विवेक पर निर्भर करता है कि वे पाक के खतरनाक मंसूबों को कितनी जल्दी भांपने में कामयाब हो सकते हैं। एक ओर पाकिस्तान आर्थिक बदहाली का हवाला देकर अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से मदद की गुहार लगा रहा है, तो दूसरी ओर उसने अपनी रक्षा मद पर बीस प्रतिशत व्यय बढ़ा दिया है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि पाकिस्तान इस रक्षा बजट वृद्धि का सारा पैसा राष्ट्रीय सुरक्षा पर खर्च नहीं करेगा। धन के किसी भी दुरुपयोग का पता लगाने के लिये उसके नियमित खर्च की निगरानी अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को करनी चाहिए। भारत को निगरानी करने वाली वैश्विक संस्था को प्रोत्साहित करना चाहिए कि वह आतंकवादी हमलों को बढ़ावा देने वाले नेटवर्क को खत्म करने के पाकिस्तान के दावे की हकीकत पता लगाए। अब वित्तीय कार्रवाई कार्य बल यानी एफएटीएफ को इस बात पर जोर देना चाहिए कि पाकिस्तान की कार्रवाई में पारदर्शिता सुनिश्चित हो ताकि पाकिस्तान एक बार फिर से अपने खतरनाक मंसूबों को अंजाम न दे सके।

प्रबंधन से ज्यादा जरूरी है आपदा रोकना

अरविन्द मोहन

इस बात में सच्चाई हो सकती है लेकिन सारी आपदाओं को प्रकृति और जलवायु के बदलाओं के मत्थे मढ़ना ठीक नहीं है। असल में उस बदलाव और बिगड़ाव के लिए हमी दोषी हैं, हमारी सरकारों की नीतियां दोषी हैं।

सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के राहत आयुक्तों और आपदा प्रबंधन के मुखिया लोगों के बीच जब केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह आपदा प्रबंधन में भारत को दुनिया का अगुआ और मोदी राज के दस वर्षों में यह उपलब्धि हासिल करने का दावा कर रहे थे तब डरावने विमान हादसे से बिखरे मलबे और मानव अंगों को समेटने और पहचानने का काम पूरा नहीं हुआ था और जिस किसी ने भी प्रत्यक्ष या वीडियो वगैरह के जरिए राहत एजेंसियों के लोगों को लगन और धैर्य से काम करते देखा होगा वह एक बार गृह मंत्री के दावे पर भरोसा कर लेगा। वैसे यह अलग बात है कि इसी अमित शाह ने इसी दुर्घटना को लेकर जैसा कैजुअल बयान दिया था उसकी काफी आलोचना हुई थी। आपदा प्रबंधन वाले लोगों के काम की मुश्किल इस बात से भी समझी जा सकती थी कि जब शायद ही कोई शव साबुत मिला हो तब टुकड़ों के आधार पर उसकी पहचान करके घरवालों को सही व्यक्ति की लाश सौंपना असंभव बन गया। लगभग आधे शव ही पहचाने जा सके। हजारों हजार रुपए देकर यात्रा करने वाले यात्रियों और आकाश से आने वाली मौत से अनजान डाक्टर बनने का सपना लेकर आगे बढ़ रहे हास्टल वाले बच्चों के परिवार वालों को अगर शव सौंपना संभव न हो तब सफलता–विफलता और दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनने का दावा क्यों नहीं करना चाहिए यह समझ तो इतने जिम्मेदार नेता में होनी चाहिए। अब यह दुर्घटना या इसके ठीक बाद हुई उतराखंड में हेलीकाप्टर दुर्घटना या पुणे में पुल टूटने की घटना या बेंगलुरु में भगदड़ या कुम्भ की भगदड़ या हाथरस की भगदड़ या फिर बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओ या कोविड जैसी महामारी के बीच हमारी इन आपदा प्रबंधन एजेंसियों के कामकाज पर नजर डालेंगे तो रिकार्ड फिफ्टी–फिफ्टी का ही मिलेगा। इन पर होने वाले खर्च को जोड़ेंगे तो हिसाब और महंगा लगेगा। इनकी जरूरत और इनकी कार्यकुशलता की मांग तो लगातार बढ़ती जा रही है। लेकिन गृह मंत्री का यह दावा राजनैतिक लगता है कि एजेंसियों ने मोदी राज में नुकसान को न्यूनतम या कम करने की जगह शून्य करने में सफलता पाई है। वे यह कहने से भी नहीं चूके कि आपदा एक वैश्विक समस्या है क्योंकि जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान में वृद्धि के चलते इनकाक्रम बढ़ गया है। इस बात में सच्चाई हो सकती है लेकिन सारी आपदाओं को प्रकृति और जलवायु के बदलाओं के मत्थे मढ़ना ठीक नहीं है। असल में उस बदलाव और बिगड़ाव के लिए हमी दोषी हैं, हमारी सरकारों की नीतियां दोषी हैं। अपने यहां अहमदाबाद या उत्तराखंड हादसे से लेकर कोविड के नाम पर तालाबंदी के जरिए देश भर के करोड़ों प्रवासी मजदूरों के जीवन में तबाही लाने जैसे अधिकांश मामलों में मुख्य भूमिका सरकार की दिखती है या उसकी तरफ से दी गई ढील की है। अगर सिंगल इंजन के विमानों को दुर्गम पहाड़ियों वाले उत्तराखंड में ऑटो की तरह पैसेंजर ढोते सब लोग देख लेते हैं तो यह सरकार को क्यों नहीं दिखता। उसके साथ दलालों और पैसों की लूट करने वाली कंपनियों का रिश्ता क्यों नहीं दिखता। हवाई यातायात ही नहीं, सड़क और रेल परिवहन जितना लूटने लगे है उनमें सुविधाओं और सुरक्षा की उतनी ही कमी क्यों आती जा रही है। सड़े गले पुल पर ट्रैफिक न जाए यह देखना किसका जिम्मा है? लोगों के बड़े जमावड़े की इजाजत देते समय कायदे कानून को क्यों बिसरा दिया जाता है? ऐसी दुर्घटनाएं बार–बार हो रही हैं और एनडीआरएफ के जवानों की बहादुरी और कर्तव्यपरायणता के बावजूद बड़ी संख्या में मौत हो जाती है। ऐसी जगह सरकार किसके पक्ष में होती है यह बताया न भी जाए तो इतना जरूर होता है कि वह नुकसान को कम से कम बताकर अपनी जिम्मेवारी से बचना चाहती है। इस बात का सबसे अच्छा उदाहरण पहलगाम कांड और हमारी सैनिक कार्रवाई की गहमागहमी के बीच कोविड से हुई मौतों का आंकड़ा जारी करना है। यह काम गृह मंत्रालय का ही था और जन्म तथा मृत्यु के आंकड़े जारी करने का रूटीन काम भी कई साल बाद किया गया। इस सरकारी आंकड़े से पता चला कि अकेले 2021 में कोविड से मौत के आंकड़े तीन लाख नहीं बीस लाख से ज्यादा है– पहले बताए जाने वाले आंकड़े से लगभग सात गुना। गुजरात जैसे राज्य में आंकड़ों का फासला साठ गुना लगता है तो उत्तर प्रदेश में भी सात के कई गुना ज्यादा। इस बीच कोविड प्रबंधन में दुनिया भर में झण्डा फहराने जैसे न जाने कितने दावे किए गए। इन मौतों को लेकर सारे चौनल और अखबार सरकार की भक्ति में न थे लेकिन हिन्दू की रिपोर्टों को अनदेखा किया गया तो भास्कर को डांटकर चुप करा दिया गया। अंग्रेजी मीडिया की खबरों से सरकार को ज्यादा चिंता नहीं होती। याद कीजिए, दानिश सिद्दीकी द्वारा लाश से पटी सीमापुरी श्मशान की तस्वीरों पर क्या कहा गया या भास्कर को किस तरह माफी मांगने पर मजबूर किया गया। अफगान युद्ध में फोटोग्राफी करते वक्त जान गंवाने वाले दानिश को तब शासक दल के प्रवक्ता गिद्ध कहते थे। ऐसा ही मामला हाल में हुए कुम्भ हादसे में मरने वालों और उनके परिजनों के साथ हुए व्यवहार का है। कुम्भ को सदी का ही नहीं सदा का सर्वश्रेष्ठ आयोजन बताने और इस भगदड़ को दुर्घटना बताने वाले मामले की पोल बीबीसी के कुछ पत्रकारों ने खोली जब साफ हुआ कि मुआवजे किस भेदभावपूर्ण तरीके से बंटे, कम लोगों को दिए गए और अधिकांश को नहीं मिले।

न्यायपालिका को अपना घर भी ठीक करना चाहिए

अनिल जैन

बीसवीं सदी के मशहूर जर्मन कवि–नाटककार बर्तोल्त ब्रेख्त ने कहा है कि हमें छोटे–छोटे न्याय दिए जाते हैं ताकि बड़े अन्याय छिपाए जा सकें। हमारे देश में भी ऐसा ही हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों से देश की अन्य संवैधानिक संस्थाओं की तरह हमारी न्यायपालिका भी संक्रमण के दौर से गुजर रही है। न सिर्फ उसकी कार्यशैली और फैसलों पर सवाल उठ रहे हैं, बल्कि उसकी हनक भी लगातार कम हो रही है। यह बात सर्वोच्च और उच्च अदालतों के कई पूर्व और वर्तमान न्यायाधीश भी कई मौकों पर कह चुके हैं। इस सिलसिले में कोई सात साल पहले सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठ जजों की ऐतिहासिक प्रेस कांफ्रेन्स उल्लेखनीय है। साल 2018 के जनवरी महीने में सुप्रीम कोर्ट के चार जजों ने एक प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से शीर्ष अदालत में प्रशासनिक गड़बड़ियों को उजागर करते हुए कहा था कि– ये गड़बड़ियां न्यायपालिका को नुकसान पहुंचा रही हैं और देश के लोकतंत्र को नष्ट कर सकती हैं। इन चार जजों का मीडिया के सामने आकर ऐसा कहना आजाद भारत के इतिहास में अपनी तरह की पहली घटना थी। उस घटनाक्रम की एक हैरान करने वाली बात यह भी थी कि चार जजों ने जो कुछ कहा था, उस पर सफाई या उनकी बातों का खंडन सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश दीपक मिश्रा की ओर से नहीं आया था बल्कि भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े संगठन के नेता प्रधान न्यायाधीश के बचाव में आगे आए थे। बहरहाल इस पूरे घटनाक्रम के बाद सुप्रीम कोर्ट की प्रशासनिक कार्यप्रणाली में कोई सुधार हुआ हो या न हुआ हो, लेकिन देश की न्याय व्यवस्था में तो कोई सुधार हर्गिज नहीं आया। हालांकि तब से लेकर अब तक सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्टों ने कुछ फैसले बहुत अच्छे दिए, जिनसे लोगों को लगा कि अभी सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। अलबत्ता सत्ता प्रतिष्ठान को वे फैसले रास नहीं आए और इसी वजह से सत्तापक्ष की ओर से सुप्रीम कोर्ट को कई तरह की नसीहतें भी दी गईं। फिर भी लोक महत्व के कई फैसले बेहद निराशाजनक रहे, जिन्हें किसी भी दृष्टि से तार्किक या निष्पक्ष नहीं कहा जा सकता। इसी दौरान सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्टों के कुछ जजों का व्यक्तिगत आचरण भी बेहद आपत्तिजनक रहा, जिससे न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर सवाल उठे। ज्यादा पुरानी बात न करें तो हाल के दिनों में ही सुप्रीम कोर्ट के कुछ अजीबोगरीब फैसले आए हैं, जो पहलगाम कांड और उसके बाद भारत–पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य टकराव के शोर में दब गए और लोगों का उन पर ध्यान नहीं गया। इनमें से कुछ फैसले शीर्ष अदालत की निष्पक्षता पर सवाल खड़ा करते हैं तो कुछ फैसले ऐसे हैं जो शीर्ष अदालत ने अपने अधिकार क्षेत्र के बाहर जाकर दिए हैं। सबसे महत्वपूर्ण मामला इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज शेखर यादव का है। विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यक्रम में भाषण देते हुए जस्टिस यादव ने मुसलमानों को कठमुल्ला बताते हुए कहा था कि देश बहुसंख्यकों की इच्छा के मुताबिक ही चलना चाहिए। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस यादव से सफाई मांगी थी और तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना उनके खिलाफ इन–हाउस जांच के लिए कमेटी गठित करने वाले थे लेकिन राज्यसभा सचिवालय ने सुप्रीम कोर्ट को पत्र लिख कर जस्टिस यादव के खिलाफ जांच रुकवा दी। मामला रफा–दफा हो गया। जस्टिस यादव को उनके पद से हटाने के लिए राज्यसभा के 55 सदस्यों के हस्ताक्षर वाला प्रस्ताव भी सदन के सभापति के पास गया था लेकिन उसमें भी कुछ नहीं हुआ। एक अन्य मामला अवमानना का है जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से दोहरा रवैया अपनाया है। एक यूट्यूबर अजय शुक्ल ने अपने यूट्यूब प्लेटफॉर्म पर सुप्रीम कोर्ट से हाल ही में रिटायर हुई जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी की कार्यशैली और उनके दिए कुछ फैसलों को लेकर आलोचनात्मक टिप्पणियां की थीं, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने अपमानजनक मानते हुए उनका स्वतरू संज्ञान लिया और सुप्रीम कोर्ट की रजिस्टरी को निर्देश दिया कि वह यूट्यूबर शुक्ल के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू करे। जबकि इसी वाकये से कुछ दिनों पहले भाजपा के वरिष्ठ सांसद निशिकांत दुबे ने तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना का नाम लेकर कहा था कि उनकी वजह से देश में गृह युद्ध छिड़ा हुआ है। देश के इतिहास में यह पहला मौका था जब सुप्रीम कोर्ट के मुखिया पर किसी ने इतना गंभीर आरोप लगाया था लेकिन उसके खिलाफ अदालत ने अवमानना का मामला शुरू नहीं किया, बल्कि अदालत के सामने जब यह मामला आया तो उसे खुद जस्टिस संजीव खन्ना ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि श्न्यायपालिका ऐसी छुई मुई नहीं है कि जो ऐसी टिप्पणियों से बिखर जाएगी। इन मामलों के अलावा सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर तमिलनाडु के दो मंत्रियों के इस्तीफे का मामला भी कम हैरान करने वाला नहीं रहा। तमिलनाडु के बिजली और आबकारी मंत्री सेंथिल बालाजी और वन मंत्री के. पोनमुडी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक तरह से धमकी दी थी कि अगर उन्होंने मंत्रिपरिषद से इस्तीफा नहीं दिया तो उनकी जमानत रद्द कर उन्हें जेल भेज दिया जाएगा। सवाल है कि कोई भी अदालत किसी मंत्री को यह कैसे कह सकती है कि वह मंत्री पद छोड़े नहीं तो जमानत रद्द करके उसे जेल भेज दिया जाएगा? क्या यह कार्यपालिका के काम में न्यायपालिका का असंवैधानिक हस्तक्षेप नहीं है? किसी आरोपी या दागी व्यक्ति को मंत्रिमंडल में रखने का फैसला नैतिकता की कसौटी पर हो सकता है कि सही नहीं हो लेकिन अगर कानूनी और संवैधानिक रूप से सही है तो उसमें अदालत का दखल क्यों होना चाहिए? गौरतलब है कि सेंथिल बालाजी और पोनमुडी धन शोधन और आय से अधिक संपत्ति के मामलों में लंबे समय तक जेल में रहने के बाद जमानत पर रिहा हुए थे और फिर से मंत्री बनाए गए थे, क्योंकि अगर कोई व्यक्ति विधायक है और उसे अयोग्य नहीं ठहराया गया है तो वह भारत के संविधान के मुताबिक मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री बन सकता है। जैसे पिछले साल धन शोधन के मामले में जेल से छूटने के बाद हेमंत सोरेन फिर से झारखंड के मुख्यमंत्री बने थे और अरविंद केजरीवाल तो जेल में रहते हुए भी मुख्यमंत्री बने रहे। भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह के मामले में तो सुप्रीम कोर्ट का रवैया बेहद ही हैरतअंगेज और अफसोसनाक रहा। मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने इस मामले में सख्त रवैया अपनाते हुए पुलिस को शाह के खिलाफ सख्त धाराओं में एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था जिसकी देश भर में सराहना हुई थी लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश पर दो महीने का रहस्यमय स्थगन देकर देश को निराश ही किया। हाल के वर्षों में हेट स्पीच यानी नफरत फैलाने वाले भाषणों को लेकर भी शीर्ष अदालत और हाई कोर्टों का रवैया बेहद विचित्र रहा है। जेएनयू के दो छात्र खालिद उमर और शरजील इमाम हेट स्पीच के मामले में करीब पांच साल से जेल में हैं। सुप्रीम कोर्ट कई बार कह चुका है कि जमानत नियम है और जेल अपवाद लेकिन सुप्रीम कोर्ट की यह व्यवस्था इन दोनों पर लागू नहीं हो रही है। इसके विपरीत कई केंद्रीय मंत्री और सत्ताधारी पार्टी के सांसद आए दिन हेट स्पीच देते रहते हैं पर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की अपील तक अदालतों में नहीं सुनी जाती। ऐसा नहीं है कि न्यायपालिका में जारी गड़बड़ियों से आम आदमी बेखबर हो। पारंपरिक मीडिया भले अपने निहित स्वार्थों की खातिर इन गड़बड़ियों से मुंह फेरे हुए हो, परन्तु वैकल्पिक और सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स के विस्तार के चलते हर आदमी न्यायपालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार और विसंगतियों से भरी न्याय व्यवस्था से बाखबर है। यह और बात है कि ये गड़बड़ियां अवमानना के डंडे के डर की वजह से कभी भी व्यापक तौर पर सार्वजनिक बहस का मुद्दा नहीं बन पातीं। वक्त का तकाजा है कि न्यायपालिका खुद अपने गिरेबान में झांके और अपनी विश्वसनीयता बहाल करे। अपनी तमाम विसंगतियों और गड़बड़ियों के बावजूद न्यायपालिका ही आज भी हमारे लोकतंत्र का सबसे असरदार स्तंभ है और हर तरफ से लाचार–हताश देशवासियों की उम्मीद का आखिरी आसरा भी। यह स्तंभ भी अगर पूरी तरह ढह गया तो फिर बचा–खुचा लहूलुहान लोकतंत्र भी धर्मांधता, कॉरपोरेट की लूट और व्यक्तिपूजा के पैरों तले पूरी तरह कुचल कर दम तोड़ देगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

युद्ध के साए में दिखावे का जी–7

कनाडा के कनानास्किस में जी–7 की बैठक में हिस्सा लेने के लिए प्रधानमंत्री मोदी पहुंच चुके हैं, हालांकि उन के पहुंचने से पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप वहां से रवाना हो चुके थे। ये बात श्री मोदी के लिए राहत की है क्योंकि अब भारत–पाकिस्तान के बीच युद्धविराम के दावे को लेकर ट्रंप से कोई चर्चा नहीं होगी। ट्रंप इस बात को कम से कम 14 बार कह चुके हैं। ऐसे में अगर श्री मोदी ट्रंप से मिलते और इस बारे में सवाल नहीं करते तब देश में उनकी काफी आलोचना होती। तो इसलिए एक तरह से उन के लिए ये राहत ही है कि वे ट्रंप के साथ किसी अप्रिय स्थिति में उलझने से बच गए। उधर ट्रंप के जल्दी निकल जाने पर भी विवाद खड़ा हो ही गया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा था कि मध्य पूर्व में युद्ध विराम सुनिश्चित करने के लिए ट्रंप वापस गए हैं, जो सकारात्मक पहल है। लेकिन ट्रंप ने सोशल मीडिया पर दिए अपने जवाब में मैंक्रो को गलत बताते हुए लिखा, श्प्रचार चाहने वाले इमैनुएल मैंक्रो ने गलती से कहा कि मैं कनाडा में जी–7 शिखर सम्मेलन छोड़कर वापस वाशिंगटन डीसी जा रहा हूं ताकि इजरायल–ईरान के बीच युद्ध विराम पर काम कर सकूं। गलत! उन्हें नहीं पता कि मैं अब वाशिंगटन क्यों जा रहा हूं, लेकिन इसका निश्चित रूप से युद्ध विराम से कोई लेना–देना नहीं है। इससे कहीं ज्यादा बड़ा। चाहे जानबूझ कर हो या अनजाने में, इमैनुएल हमेशा गलत ही बोलते हैं। देखते रहिए! ट्रंप के इस बयान से संकेत मिल रहे हैं कि इजरायल–ईरान युद्ध में अब अमेरिका भी सीधा हिस्सा बन सकता है। वैसे इस बार जी–7 का एजेंडा मौजूदा वैश्विक हालात को देखते हुए पूरी तरह विफल नजर आ रहा है। इस बार बैठक के एजेंडे में वैश्विक शांति और सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता, विकास और डिजिटल विकासशील जैसे मुद्दों पर चर्चा होनी है। लेकिन एक तरफ रूस और यूक्रेन के बीच जंग छिड़ी है, इजरायल ने गजा में कत्लेआम मचाया है और अब ईरान के साथ भी जंग छेड़ दी है। इस बैठक की शुरुआत करते हुए कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने कहा था कि, आज हम जिस वक्त जी–7 मीटिंग कर रहे हैं तब दुनिया में काफी हलचल है। देश बंटे हुए हैं। अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, जापान, यूनाइटेड किंगडम और इटली के नेता एक साथ बैठे हैं। दुनिया हमारी तरफ देख रही है। अगले दो दिन हम खुलकर चर्चा करेंगे। लेकिन जिस तरह ट्रंप पहले चले गए, मैक्रों उन पर तंज कस रहे हैं, उससे नजर आ रहा है कि बैठक में न खुलकर चर्चा हो रही है, न सदस्य देशों में एकता दिखाई दे रही है। वैसे जी–7 नेताओं ने इजरायल और ईरान के हालात पर जो बयान जारी किया है, उसमें कहा है कि च्व्हम, जी–7 के नेता, मध्य–पूर्व में शांति और स्थिरता के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं। जी–7 नेताओं ने कहा है कि श्इजराइल को अपनी रक्षा करने का अधिकार है, इस बयान में ईरान को श्क्षेत्रीय अस्थिरता और आतंक का असल स्रोतश कहा गया है। जी–7 नेताओं ने कहा, हम लगातार कहते रहे हैं कि ईरान परमाणु हथियार कभी हासिल नहीं कर सकता है। ईरानी संकट के समाधान से मध्य–पूर्व में युद्ध की स्थिति में व्यापक कमी आएगी, जिसमें गजा में युद्धविराम भी शामिल है। इस बयान को गौर से देखें तो झोल ही झोल नजर आएगा। एक तरफ जी–7 शांति की बात करता है, दूसरी तरफ दो देशों से युद्ध कर रहे इजरायल का साथ दे रहा है और कह रहा है कि इजरायल को रक्षा का अधिकार है। अब सवाल ये है कि अगर इजरायल को रक्षा का अधिकार है, तो वही अधिकार ईरान या फिलीस्तीन को क्यों नहीं है। ईरानी संकट के समाधान की बात जी–7 कर रहा है, यानी सीधे–सीधे ईरान को घुटने टेकने की नसीहत दे रहा है और इसे गजा के युद्ध विराम से जोड़ने का दिखावा कर रहा है। अगर जी–7 को वैश्विक शांति की इतनी ही चिंता थी तो अब तक इजरायल को गजा को तबाह करने से क्यों नहीं रोका गया। जी–7 के देशों को शायद यह गुमान है कि उनके पास दुनिया की जीडीपी का 28.4 प्रतिशत हिस्सा है तो वह सारे देशों को अपने मुताबिक नचा सकता है। लेकिन ये समूह आपस में ही बिखरा हुआ दिख रहा है। ट्रंप की तरफ से शुरु किए गए टैरिफ युद्ध की चपेट में दुनिया के कई देश आ चुके हैं। ट्रंप अब भी अपनी टैरिफ नीति से पीछे हटने तैयार नहीं हैं, ऐसे में कई देश खुलकर अपनी नाराजगी जता चुके हैं। इनमें फ्रांस, इटली जैसे देश तो जी–7 के सदस्य ही हैं। वैसे ट्रंप ने जी–7 की अहमियत को लेकर एक बार फिर से सवाल खड़े किए हैं, 2020 में वे इस समूह को आउटडेटेड बता चुके हैं। और अब उन्होंने कहा कि 2014 में रूस को जी–7 से निकालना गलत था, जिससे दुनिया अस्थिर हुई। इसके लिए ट्रंप ने बराक ओबामा और जस्टिन ट्रूडो को जिम्मेदार बताया है। ट्रंप तो पहले भी अपने पूर्ववर्ती शासकों की सार्वजनिक आलोचना कर चुके हैं, लेकिन मार्क कार्नी के लिए भी उन्होंने अजीब हालात बना दिए हैं, क्योंकि कार्नी का ध्यान इस समय रिश्तों को सुधारने पर है। भारत को आमंत्रित करने के पीछे भी यही कारण बताया गया है, क्योंकि निज्जर हत्याकांड के बाद से कनाडा–भारत के संबंध बिगड़ गए थे। हालांकि अब भी नरेन्द्र मोदी का विरोध कनाडा में हो रहा है। इसके अलावा आतंकवाद, पर्यावरण को नुकसान, कमजोर देशों पर आक्रमण जैसे कई मुद्दों पर जी–7 के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। कनाडाई न्यूज चौनल के मुताबिक, कनानास्किस के सीनियर पुलिस ऑफिसर डेविड हॉल ने कहा है कि प्रदर्शन के लिए 3 जोन तय किए गए हैं, जहां से विरोध प्रदर्शन जी–7 में शामिल हो रहे नेताओं को लाइव दिखाया जाएगा। दरअसल, कनाडा सरकार शांतिपूर्ण प्रोटेस्ट को जनता का अधिकार बताती है। इससे पहले भी भारत के ऐतराज के बावजूद कनाडा ने भारतीय दूतावास के सामने विरोध प्रदर्शन की अनुमति दी थी। यानी नरेन्द्र मोदी को अच्छा लगे या बुरा, कनाडा में उनके खिलाफ प्रदर्शन होने दिए जाएंगे। कुल मिलाकर युद्धों के साए में 2025 की जी–7 की बैठक से कुछ खास हासिल होने की उम्मीद नहीं दिख रही है, क्योंकि सभी देश पहले अपनी स्वार्थपूर्ति में लगे हैं, दुनिया के बारे में सोचने का केवल दिखावा ही हो रहा है।

मीठी नदी घोटाला: डिनो मोरिया को ईडी का दूसरा समन, पूछताछ के लिए बुलाया

> ईडी डिनो मोरिया से पहले भी पूछताछ कर चुकी है, लेकिन कुछ और महत्वपूर्ण जानकारियों की पूछताछ के लिए उन्हें दोबारा बुलाया गया है। माना जा रहा है कि घोटाले से संबंधित कुछ लेन-देन और आर्थिक गतिविधियों में डिनो मोरिया की भूमिका की जांच की जा रही है।

मीठी नदी सफाई घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बॉलीवुड अभिनेता डिनो मोरिया को एक बार फिर समन भेजा है। जांच एजेंसी ने उन्हें बुधवार को पूछताछ के लिए हाजिर होने का निर्देश दिया है। ईडी डिनो मोरिया से पहले भी पूछताछ कर चुकी है, लेकिन कुछ और महत्वपूर्ण जानकारियों की पूछताछ के लिए उन्हें दोबारा बुलाया गया है। माना जा रहा है कि घोटाले से संबंधित कुछ लेन–देन और आर्थिक गतिविधियों में डिनो मोरिया की भूमिका की जांच की जा रही है। इस हाई–प्रोफाइल मामले में पहले भी कई अधिकारियों और व्यवसायियों से पूछताछ की जा चुकी है। ईडी ने इस मामले की जांच के तहत 6 जून को डिनो मोरिया और उनके भाई सैंटिनो मोरिया के मुंबई स्थित घर और दफ्तरों पर छापेमारी की थी। जांच में सामने आया कि सैंटिनो मोरिया ने केतन कदम की पत्नी पुनीता कदम के साथ मिलकर श्यूबीओ राइड्स प्राइवेट लिमिटेडश नामक एक इलेक्ट्रिक कार्ट कंपनी की सह–स्थापना की थी। केतन कदम को इस घोटाले में मुख्य बिचौलिए के तौर पर गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोप है कि उसने मीठी नदी से गाद हटाने के नाम पर करोड़ों रुपये का घोटाला किया। इसी सिलसिले में ईडी ने डिनो मोरिया को पहले भी तलब किया था और अब दोबारा पूछताछ के लिए समन भेजा है। बता दें कि इसी मामले में अभिनेता 28 मई को आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) जांच अधिकारियों के सामने पेश हुए थे। अधिकारियों ने अभिनेता से लगभग सात घंटे तक पूछताछ की थी, जिसमें उन्होंने कई अहम सवालों के जवाब दिए। ईओडब्ल्यू के अधिकारियों के मुताबिक, डिनो मोरिया को इसलिए बुलाया गया, क्योंकि जांच में उनकी और उनके भाई सैंटिनो मोरिया की और इस मामले के मुख्य आरोपी केतन कदम के फोन पर कई बार बातचीत के रिकॉर्ड मिले। आरोप है कि मीठी नदी की सफाई के लिए इस्तेमाल होने वाली मशीनें, जैसे कि कीचड़ हटाने वाली और गहरी खुदाई करने वाली मशीन आदि को किराए पर लेने वाले रुपयों का दुरुपयोग हुआ। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने कोच्चि स्थित कंपनी मैटप्रॉप टेक्निकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से प्राप्त मशीनों के लिए बढ़ी हुई कीमतें चुकाईं। जांचकर्ताओं का मानना है कि इस धोखाधड़ी को बीएमसी के कुछ अधिकारी और मैटप्रॉप कंपनी के कर्मचारियों ने मिलकर अंजाम दिया। केतन कदम और उसके साथी जय जोशी ने बीएमसी के पास बढ़ा–चढ़ाकर बिल भेजा, यानी असल कीमत से ज्यादा पैसे मांगे। इस मामले में डिनो मोरिया को आरोपी नहीं बनाया गया है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश हादसे में मॉल सागर पाटिल ने खोया अपना प्यार, पोस्ट में छलका दर्द, लिखा–कल रहेंगे या नहीं

2 जून को हुए अहमदाबाद प्लेन क्रैश हादसे ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। इस हादसे में कई जिंदगियां तबाह हो गईं। सिर्फ जिंदगियां ही नहीं, बल्कि इसमें लोगों के सपने, मिलने का इंतजार, किसी का प्यार और कोई नई शुरुआत..सब जलकर राख हो गए। लोग अब भी इस भयानक हादसे से उबर नहीं पा रहे हैं। इसी बीच मुंबई के एक मॉडल सागर पाटिल वीडियो सामने आया था, जिसने हादसे में अपने प्यार को खो दिया। वहीं, अब हाल ही में प्लेन क्रैश में अपने प्यार की मौत पर सागर का इमोशनल पोस्ट सामने आया है, जिसे देख हर कोई भावुक हो रहा है।पिछले दिनों, सागर का जो वीडियो सामने आया था, उसमें वो अहमदाबाद के एक अस्पताल में चुपचाप रोते नजर आए थे। जब उनसे पूछा गया कि आप किसका इंतजार कर रहे हैं तो उन्होने रोते हुए भारी आवाज में कहा, मेरा प्यार। सागर पाटिल इस दुर्घटना के बाद मुंबई से अहमदाबाद पहुंचे थे और उन्हें उम्मीद थी कि उनका प्यार बच गया होगा, लेकिन नहीं। अब सागर पाटिल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने लिखा, आप सभी की सहानुभूति और प्यार के लिए शुक्रिया। इतने सारे डीएम्स आए हैं कि मैं सबको जवाब नहीं दे सकता। मुझे समझ नहीं आ रहा जो चल रहा है उसको भरने के लिए हम क्या कह सकते हैं। अपने प्यारों के साथ वक्त बिताइए उनको प्यार करिए, खुश रहिए। पता नहीं कल रहेंगे या नहीं। इस पोस्ट में साफ देखा जा सकता कि गर्लफ्रेंड को खोने से सागर कितने टूट गए हैं और सभी को अपने प्यारों के साथ वक्त बिताने की सलाह दे रहे हैं।

कैंसर से जंग लड़ रही हिना खान की तनाज ईरानी ने तारीफ, बोलीं-वह दिखा रही हैं कि पॉजिटिव कैसे रहा जाए

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस हिना खान ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। इस गंभीर बीमारी से पीड़ित होने के बावजूद हिना घर बैठने के बजाय काम पर पूरा फोकस कर रही हैं और अपना पूरा इलाज करवा रही है। ऐसे में वह बीमारी का डटकर मुकाबला करते हुए लोगों के सामने एक मजबूत उदाहरण पेश कर रही हैं। इसी बीच अब हाल ही में एक्ट्रेस तनाज ईरानी ने कैंसर को लेकर जागरुकता फैलाने की बात करते हुए हिना खान की तारीफ की। हाल ही में दिल्ली में एक इवेंट में पहुंचीं तनाज ईरानी ने ब्रेस्ट कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाने के महत्व पर बात की। उन्होंने हिना खान का जिक्र करते हुए कहा, "कैंसर वाकई बहुत डरावना है। हाल ही में हमारी एक्ट्रेस हिना खान भी इससे लड़ रही हैं। उन्होंने सभी के लिए एक खूबसूरत उदाहरण पेश किया है। वह दिखा रही हैं कि पॉजिटिव कैसे रहा जाए और इस दौरान उन्होंने शादी भी कर ली। हम कलाकारों को जनता ने प्रसिद्धि दी है और हम आप सभी की वजह से यहां हैं। तो क्या यह हमारा कर्तव्य नहीं है कि हम ऐसे संवेदनशील विषयों को उठाएं और लोगों को थोड़ा शिक्षित करने का प्रयास करें?"तनाज ने आगे कहा, "हमारे देश में लोग आमतौर पर संवेदनशील विषयों पर बात नहीं करते हैं और कैंसर एक जानलेवा बीमारी है। अगर हम विशेष रूप से ब्रेस्ट कैंसर के बारे में बात करते हैं, तो जरा सोचिए–एक गांव की महिला अपने परिवार, अपने पति या अपनी सास से इस बारे में कैसे बात करेगी? वह कैसे समझाएगी कि उसके साथ क्या हो रहा है? मुझे लगता है कि अगर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री या बॉलीवुड ऐसे गंभीर विषयों पर बात करता है, तो यह जागरूकता फैलाने का सही तरीका है।" बता दें, ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरुकता फैलाने के उद्देश्य से जल्द ही 'शोस्टॉपर' नाम से एक वेब सीरीज आ रही है। इस सीरीज का उद्देश्य ब्रेस्ट कैंसर का जल्द पता लगाने के बारे में जानकारी फैलाना है।

पिता के अंतिम संस्कार में रो पड़ीं मन्नारा चोपड़ा, पिता की अर्थी को थामे दिखी एक्ट्रेस

बुधवार को आयोजित अपने पिता रमन राय हांडा के अंतिम संस्कार में अभिनेत्री मन्नारा चोपड़ा और उनकी बहन मिताली हांडा को दुख में डूबते हुए देखा गया। बिग बॉस 18 की पूर्व प्रतियोगी ने दाह संस्कार के दौरान अपने पिता की अर्थी को कंधा देने की जिद करते हुए स्पष्ट रूप से दुखी दिखाई दीं।

मन्नारा के पिता की अंतिम यात्रा

मन्नारा चोपड़ा के पिता का अंतिम संस्कार मुंबई के ओशिवारा श्मशान घाट पर किया गया। कहा जा रहा है कि प्रियंका चोपड़ा और परिणीति चोपड़ा अपने काम के कारण अपने चाचा के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो सकीं। मनारा चोपड़ा के पिता के अंतिम संस्कार के दौरान बारिश हो रही थी। भारी बारिश के बीच मन्नारा चोपड़ा और मिताली चोपड़ा ने अपने पिता की अर्थी को श्मशान घाट तक पहुंचाया। दोनों बहनों ने पूरी हिम्मत और भावना के साथ अपने पिता की अंतिम यात्रा में भाग लिया।

रोते–रोते मन्नारा चोपड़ा बेहोश होने लगीं

मन्नारा खुद को संभालने की पूरी कोशिश करती दिखीं, जबकि मिताली अपने पिता की मौत के कारण गहरे सदमे में दिखीं। उनके चेहरे पर दुख और दर्द साफ दिखाई दे रहा था। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें पिता को आखिरी बार देखने के बाद मन्नारा बेकाबू हालत में दिखीं। अंतिम संस्कार के दौरान मन्नारा रोते हुए बेहोश होती दिखीं। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। 16 जून को मन्नारा चोपड़ा ने अपने पिता के निधन की घोषणा करते हुए एक आधिकारिक बयान जारी किया। नोट में लिखा था, ष्बहुत दुख और पीड़ा के साथ, हम अपने प्यारे पिता के दुखद निधन की सूचना देते हैं, जो 16/06/2025 को हमें छोड़कर स्वर्ग सिधार गए। वह हमारे परिवार के लिए ताकत का स्तंभ थे।ष रमन राय हांडा दिल्ली उच्च न्यायालय के तीस हजारी कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले एक प्रतिष्ठित वकील थे। उन्होंने आभूषण डिजाइनर कामिनी चोपड़ा हांडा से शादी की थी और दो बेटियों मन्नारा और उनकी छोटी बहन मिताली हांडा, जो एक उद्यमी और फैशन स्टाइलिस्ट थीं, के समर्पित पिता थे। 26 सितम्बर को नई दिल्ली में जन्मे, उनकी तीक्ष्ण कानूनी सूझ–बूझ और गर्मजोशी से भरे, स्थिर व्यक्तित्व ने उन्हें अपने परिवार की रीढ़ बना दिया, तथा उन्हें परिवार की अटूट शक्ति के रूप में याद किया जाता है।

एक्ट्रेस नहीं टीवी जर्नलिस्ट बनना चाहती थीं काजल अग्रवाल, आज मना रहीं 40वां जन्मदिन

आज यानी की 19 जून को साउथ सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस काजल अग्रवाल अपना 40वां जन्मदिन मना रही हैं। वह साउथ और बॉलीवुड की कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। इन दिनों एक्ट्रेस अपना मदरहुड एंजॉय कर रही हैं। काजल अग्रवाल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपने बेटे के साथ प्यारी–प्यारी तस्वीरें शेयर करती हैं। काजल अग्रवाल वर्तमान समय में तेलुगु और तमिल फिल्म इंडस्ट्री में सबसे अधिक डिमांड की जाने वाली एक्ट्रेस हैं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर काजल अग्रवाल के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और शिक्षा

एक पंजाबी परिवार में 19 जून 1985 को काजल अग्रवाल का जन्म हुआ था। उन्होंने मुंबई के स्कूल सेंट एनी हाई स्कूल से पढ़ाई की। बाद में उन्होंने केसी कॉलेज मुंबई से अपनी ग्रेजुएशन मास मीडिया स्ट्रीम में पूरी की। काजल अग्रवाज ने जर्नलिज्म की पढ़ाई की है। काजल बचपन से एक ही टीवी जर्नलिस्ट बनना चाहती थीं। लेकिन बाद में वह अभिनेत्री बन गईं।

फिल्मी करियर

फिल्म श्लक्ष्मी कलयाणमश में काजल अग्रवाल ने कल्याण राम के अपोजिट तेलुगू सिनेमा में डेब्यू किया। उनको पहली कमर्शियल सफलता तेलुगु मूवी श्चंदामामाश से मिली थी। साल 2009 में आई फिल्म श्मगधीराश ने काजल को तेलुगु सिनेमा में सफलता दिलाई। जिसके बाद अभिनेत्री ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। फिल्म मगधीरा में काजल अग्रवाल के अपोजिट रामचरण तेजा थे। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से अधिक कमाई की थी। वहीं काजल बेस्ट तेलुगु एक्ट्रेस के फिल्मफेयर अवॉर्ड के लिए भी नॉमिनेट हुई थीं।

बॉलीवुड डेब्यू

बॉलीवुड में फिल्म श्सिंघमश से काजल अग्रवाल ने डेब्यु किया था। यह फिल्म भी ब्लॉकबस्टर साबित हुई। इस फिल्म में काजल अग्रवाल और अभिनेता अजय देवगन ने लीड रोल अदा किया था। वहीं इससे पहले साल 2004 में काजल अग्रवाल ने एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन की फिल्म क्यों! हो गया न से बॉलीवुड में कदम रखा था। इस फिल्म में एक्ट्रेस ने ऐश्वर्या की बहन का किरदार निभाया था।

प्यार और शादी

काजल और गौतम की पहली मुलाकात सालों पहले एक कॉमन फ्रेंड्स के जरिए हुई थी। इस दौरान दोनों के बीच दोस्ती हुई। वहीं 7 साल तक दोस्त रहने के बाद उन्होंने 3 साल तक एक–दूसरे को डेट किया था। वहीं लॉकडाउन के दौरान जब काफी समय तक दोनों की मुलाकात नहीं हो पाई। तब इस दौरान उनको एहसास हुआ कि अब उनको एक हो जाना चाहिए। जिसके बाद दोनों ने शादी का फैसला किया।

गर्मियों में बादाम खाना सही या गलत? जानें क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

गर्मी का मौसम अपने साथ कई तरह की बीमारियां लेकर आता है। इस मौसम में बहुत से लोग सुबह उठकर बादाम खाते हैं लेकिन इस गर्मी में अक्सर इस बात को लेकर परेशान रहते हैं कि क्या बादाम खाना इस मौसम में सही रहेगा। वैसे तो बादाम स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है। लेकिन गर्मी में क्या बादाम खाना चाहिए आज आपको इसके बारे में बताएंगे...

ज्यादा मात्रा में खाने से होगा नुकसान

गर्मियों में अक्सर सभी ऐसी चीजों से परहेज रखते हैं जिनकी तासीर गर्म होती है क्योंकि गर्म तासीर से शरीर में गर्मी बढ़ने लगती है और शरीर में कई तरह की बीमारियां भी होने लगती हैं।

बढ़ने लगता है फैट

गर्मी में ज्यादा बादाम खाने से शरीर में कैलोरी की मात्रा बढ़ने लगती है। इसके अलावा फैट भी बढ़ जाता है। जैसे ही शरीर में इन दोनों की जरुरत से ज्यादा मात्रा होती है तो वजन बढ़ने लगता है और व्यक्ति को ज्यादा भूख भी सताने लगती है। ऐसे में गर्मियों में आप ज्यादा बादाम का सेवन करने से परहेज ही करें।

पाचन होता है प्रभावित

गर्मी में ज्यादा बादाम खाने से शरीर में फाइबर की मात्रा भी बढ़ जाती है जिससे पाचन क्रिया प्रभावित होने लगती है। ऐसे में इससे व्यक्ति को पेट फूलने, कब्ज, अपच और पेट खराब जैसी समस्याएं भी परेशान करने लगती है।

थकान और कमजोरी

बादाम में विटामिन मौजूद होता है ऐसे में जब सभी बादाम का सेवन करते हैं तो शरीर में विटामिन–ई की मात्रा भी ज्यादा हो जाती है जिसके कारण व्यक्ति को थकान और कमजोरी महसूस होने लगती है। इसके अलावा व्यक्ति डायरिया, दस्त जैसी समस्याओं से भी घिरने लगता है।

स्किन समस्याओं से जूझना पड़ सकता है

बादाम की तासीर गर्म होती है ऐसे में यदि व्यक्ति गर्मियों में बादाम ज्यादा खाता है तो उसे चेहरे पर पिंपल, लाल चकत्ते जैसी स्किन समस्याएं होने लगती हैं।

कैसे करें गर्मियों में बादाम का सेवन?

कच्चा बादाम गर्मी में खाने से शरीर के अंदर गर्मी पैदा होने लगती है और ज्यादा गर्मी के कारण शरीर में हीट भी पैदा होने लगती है जिससे पाचन प्रभावित होता है और पेट की समस्याएं होने लगती हैं।

इस तरह करें सेवन

गर्मियों में यदि आप बादाम खाना चाहते हैं तो भिगोए हुए बादाम का सेवन कर सकते हैं। पानी में इसे भिगोने से इनकी गर्मी निकल जाती है ऐसे में आप रात में एक कटोरी में 6–7 बादाम भिगोकर रखें। 10–12 घंटे तक भिगोने के बाद आप इनका सेवन कर सकते हैं। रात भर भीगे हुए बादाम एंजाइम लिपेस नाम का तत्व रिलीज करते हैं जिससे व्यक्ति को इसे पचाने में आसानी होती है।

दिल और लिवर को स्वस्थ रखती है बड़ी इलायची, बेहद लाभदायक है ये

बड़ी इलायची खाने की सुगंध और स्वाद बढ़ाने का काम आता है। लेकिन ये सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। आयुर्वेद में इसे एक दर्द निवारक माना जाता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और फ्री रेडिकल इम्यूनिटी को स्ट्रांग करने का काम करते हैं। ये पाचन में सुधार करने में मदद करता है। इसके अलावा भी इसके कई सारे फायदे होते हैं। आइये हम उनके बारे में आपको बताते हैं।

बीपी रखता है कंट्रोल में

बड़ी इलायची अपने एंटीऑक्सीडेंट और मूत्रवर्धक गुणों के कारण मूत्र की मात्रा को बढ़ाती है और सोडियम पोटेशियम के लेवल को बैलेंस करने में मदद करती है। ये बदले में ब्लड वेसेल्स की दीवारों को आराम करने में मदद करती है, जिससे बल्ड प्रेशर कंट्रोल रहता है। इसके लिए हर दिन सुबह बड़ी इलायची वाली चाय पीनी फायदेमंद होती है।

कब्ज से मिलत है राहत

बड़ी इलायची को आप बवासीर में खा सकते हैं। दरअसल, बवासीर में ये आपके लिए दूसरे तरीके से काम कर सकती है। जैसे कि ये कब्ज बनने के रोकती है और मलाशय में सूजन को कम करती है। इसके लिए 50 ग्राम बड़ी इलायची तवे पर भून लें। फिर इसे ठंडा कर लें और पीसकर रख लीजिए।

दिल और लिवर की समस्याओं से राहत

इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण एंजाइम को सक्रिय करते हैं, इस प्रकार हृदय में एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि पैदा कर सकते हैं। साथ ही ये हृदय की मांसपेशियों को आराम पहुंचाते हैं इस्केमिक हृदय रोग के खतरे को कम करते हैं। साथ ही ये लिवर के काम काज को तेज करने में मदद कर सकती है। इसके लिए बड़ी इलायची को दूध में उबाल लें और फिर इस दूध को पिएं।

वजन घटाने में मददगार

बड़ी इलायची में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण पाचन तंत्र को भी मजबूत रखते हैं। ये उल्टी, , अपच, पेट में दर्द, मलाशय के रोगों और पित्त सही रखने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए वो बड़ी इलायची को पीसकर और इसे मिश्री के साथ मिलाकर लेते हैं। रोजाना खाली पेट इसका सेवन करने से पेट साफ रहता है, मेटाबोल्जिमा तेज करता है और वेट लॉस में मददगार होता है।

सांस से जुड़ी समस्याओं में

अस्थमा, कंजेशन या सांस की अन्य समस्याओं से पीड़ित लोगों के लिए बड़ी इलायची का सेवन बहुत मददगार हो सकता है। ये खांसी, सर्दी और गले में खराश में आपके काम आ सकती है। इसके लिए बड़ी इलायची की चाय और काढ़ा पिएं।

इमली–धनिया का पानी दूर करेगा मुंहासे और झुर्रियां, ऐसे करें इस्तेमाल

त्वचा देखभाल की दुनिया में बेदाग, यूथ त्वचा की तलाश अक्सर हमें प्राकृतिक और व्यावसायिक दोनों तरह के विभिन्न उपचारों की खोज की ओर ले जाती है। ऐसा ही एक सदियों पुराना मिश्रण जिसने अपने त्वचा लाभों के लिए लोकप्रियता हासिल की है, वह है इमली–धनिया पानी, जो इमली और धनिये के बीज का मिश्रण है। हालांकि यह एक साधारण रसोई नुस्खा की तरह लग सकता है, लेकिन माना जाता है कि यह प्राकृतिक अमृत त्वचा के लिए कई प्रकार के लाभ प्रदान करता है, जिसमें मुंहासे से लड़ना, झुर्रियों को कम करना और महीन रेखाओं को कम करना शामिल है।

मुंहासों को कम करता है

मुंहासे त्वचा की एक सामान्य स्थिति है जिसमें दाने, ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स होते हैं, जो कई लोगों के लिए निराशा का कारण हो सकता है। ऐसा कहा जाता है कि इमली–धनिया पानी में सूजन–रोधी गुण होते हैं, जो इसे चिढ़ त्वचा को शांत करने और मुंहासे से जुड़ी लालिमा को कम करने में प्रभावी बनाता है। इस मिश्रण में एक प्रमुख घटक इमली में एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो पिंपल्स पैदा करने वाले बैक्टीरिया से लड़ने और भविष्य में होने वाले मुहांसों को रोकने में मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त, धनिये के बीज का ठंडा प्रभाव सूजन वाली त्वचा को शांत करने में मदद कर सकता है, जिससे पिंपल्स के उपचार में भी मदद मिलती है।

झुर्रियां कम करता है

झुर्रियां और महीन रेखाएं उम्र बढ़ने के प्राकृतिक लक्षण हैं जो धूप, धूम्रपान और तनाव जैसे कारकों से बढ़ सकते हैं। माना जाता है कि इमली–धनिया पानी में एंटी–एजिंग गुण होते हैं जो झुर्रियों और महीन रेखाओं को कम करने में मदद कर सकते हैं। इमली अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड (एएचए) से भरपूर होती है, जो अपने एक्सफोलिएटिंग गुणों के लिए जाना जाता है। एएचए मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने, सेल टर्नओवर को बढ़ावा देने और त्वचा की बनावट में सुधार करने में मदद करता है, अंततः झुर्रियों और महीन रेखाओं की दृश्यता को कम करता है।

कोलेजन को बढ़ाता है

इमली और धनिये के बीज में विटामिन सी की मात्रा कोलेजन संश्लेषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कोलेजन एक प्रोटीन है जो त्वचा को संरचना और लोच प्रदान करता है। जैसे–जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, कोलेजन का उत्पादन कम हो जाता है, जिससे झुर्रियाँ पड़ने लगती हैं और त्वचा ढीली पड़ने लगती है। कोलेजन उत्पादन को उत्तेजित करके, इमली–धनिया पानी त्वचा की दृढ़ता और लोच बनाए रखने में मदद कर सकता है, जिससे उम्र बढ़ने के लक्षण कम हो जाते हैं।

कैसे इस्तेमाल करें

इमली–धनिया पानी को अपनी स्किनकेयर रूटीन में शामिल करने के लिए आप इसे घर पर आसानी से तैयार कर सकते हैं। सबसे पहले इमली और धनिये के बीजों को थोड़ी मात्रा में रात भर पानी में भिगोकर रखें। अगले दिन, मिश्रण को छान लें और इसमें डाले गए पानी को टोनर या फेशियल मिस्ट के रूप में उपयोग करें। अतिरिक्त लाभ के लिए आप अन्य त्वचा–अनुकूल सामग्री जैसे गुलाब जल या एलोवेरा जेल भी मिला सकते हैं। जबकि इमली–धनिया पानी त्वचा को आशाजनक लाभ प्रदान करता है, यह याद रखना आवश्यक है कि व्यक्तिगत परिणाम भिन्न हो सकते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह आपकी त्वचा के लिए उपयुक्त है, किसी भी नए त्वचा देखभाल उत्पाद का उपयोग करने से पहले पैच परीक्षण करना हमेशा एक अच्छा विचार है। इसके अतिरिक्त, एक स्वस्थ त्वचा देखभाल दिनचर्या को बनाए रखना जिसमें सफाई, मॉइस्चराइजिंग और सूरज की सुरक्षा शामिल है, स्वस्थ, चमकती त्वचा को प्राप्त करने और बनाए रखने की कुंजी है।

निष्कर्ष

इमली–धनिया पानी मुंहासों, झुर्रियों और महीन रेखाओं के लिए संभावित लाभ के साथ एक प्राकृतिक उपचार के रूप में उभरा है। इसके सूजन–रोधी और एंटीऑक्सीडेंट गुण इसे आपके त्वचा देखभाल भंडार में एक आशाजनक वृद्धि बनाते हैं। चाहे आप मुंहासों से निपटना चाहते हों या उम्र बढ़ने के संकेतों को कम करना चाहते हों, इस सरल लेकिन प्रभावी उपाय को अपनी त्वचा की देखभाल की दिनचर्या में शामिल करने से आपको अपनी चमकदार त्वचा प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

बुकशेल्फ की साफ-सफाई में लग जाते हैं घंटों तो अपनाएं ये टिप्स, चुटकियों में होगा साफ

बहुत सारे लोगों को किताबें पढ़ने का शौक होता है। किताबें पढ़ने के शौकीन लोग घर में ही ढेर सारी किताबें रखते हैं। लेकिन कई बार इस बुकशेल्फ को व्यवस्थित करना लोगों के लिए एक मुश्किल टास्क बन जाता है। क्योंकि किताबों को व्यवस्थित रखना और इन्हें चूहों से बचाना जरूरी होता है। वहीं बुकशेल्फ की साफ–सफाई करने में हालत खराब हो जाती है। क्योंकि पहले सारे किताबें बाहर निकालो और फिर इसकी साफ–सफाई कर उन्हें फिर से बुकशेल्फ में रखो। यह एक लंबा प्रोसेस होता है। ऐसे में अगर आपको भी बुकशेल्फ की साफ–सफाई करने में आलस आता है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बुकशेल्फ की साफ–सफाई करने के कुछ आसान तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं। इन टिप्स की मदद से आपको अलमारी यानी की बुकशेल्फ से किताबें निकालने की जरूरत नहीं पड़ेगी और आप आसानी से इसकी साफ–सफाई भी कर पाएंगे।

बुकशेल्फ से ऐसे हटाएं धूल

बुकशेल्फ को साफ करने से पहले इस पर जमी धूल को झारकप से साफ करें। इसके लिए आप सूखे और मुलायम कपड़े की भी मदद ले सकते हैं। या फिर आप चाहें तो माइक्रोफाइबर कपड़े का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। क्योंकि यह धूल को अच्छे से साफ करने में सहायता करता है।

पतले ब्रश से करें बुकशेल्फ की सफाई

बुकशेल्फ में कम स्पेस वाले स्थानों तक पहुंचने और साफ–सफाई करने के लिए आप पंख वाले डस्टर या पतले ब्रश का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस तरीके से साफ–सफाई करने के लिए आपको अलमारी से किताबें भी नहीं निकालनी पड़ेंगी।

कैसे करें साफ–सफाई

अगर आप भी किताबों की अलमारी या बुकशेल्फ की साफ–सफाई करना चाहते हैं, तो गर्म पानी में हल्का डिटर्जेंट मिलाकर घोल बना लें। अब इस घोल में एक मुलायम कपड़ा डुबोकर अच्छे से निचोड़ लें। फिर इस कपड़े से बुकशेल्फ को पोंछ लें। इस दौरान अधिक पानी का इस्तेमाल नहीं करना है। क्योंकि अधिक पानी के इस्तेमाल से बुकशेल्फ की लकड़ी को नुकसान हो सकता है। वहीं आप चाहें कि सफेद सिरका और पानी का घोल बनाकर अलमारी या बुकशेल्फ की गंदगी को साफ कर सकते हैं। वहीं आप बेकिंग सोडा और पानी का पेस्ट बनाकर अलमारी की सफाई कर सकते हैं। हालांकि कपड़े की मदद से ही आपको साफ–सफाई करना होगा। पहले साफ कपड़े से अलमारी को पोंछ लें और फिर पानी से सफाई करें। इससे बुकशेल्फ पर जमी गंदगी साफ हो जाएगी।

बुकशेल्फ की सफाई के दौरान इन बातों का रखे ध्यान

बुकशेल्फ की सफाई करने के दौरान आंखों में धूल–मिट्टी जा सकती है, इसलिए साफ–सफाई के दौरान आपको चश्मे का इस्तेमाल करना है।

वहीं सफाई के दौरान हाथों को गंदगी से बचाने के लिए ग्लव्स का इस्तेमाल करें।

किताबों को अच्छे से व्यवस्थित करें, जिससे की उनकी सफाई करना आसान हो।

समय–समय पर बुकशेल्फ की सफाई करते रहें। जिससे कि इस पर जमी धूल और गंदगी साफ हो जाए।

लंबे समय तक बैठकर काम करने वालों के लिए फायदेमंद है पादहस्तासन, जानें इसे करने का सही तरीका

पादहस्तासन (Padahastasana), जिसे हाथ से पैर की मुद्रा के रूप में भी जाना जाता है, सूर्य नमस्कार में किया जाने वाला एक आसन है। खड़े होकर आगे की ओर झुकने वाला ये योग आसान लचीलेपन और ताकत पर जोर देता है। इसका नाम संस्कृत के शब्दों ष्पादष (पैर), ष्हस्तष (हाथ), और ष्आसनष (मुद्रा) से लिया गया है। इस आसन में, अभ्यासकर्ता खड़े होकर आगे की ओर झुकते हैं, अपने हाथों को अपने पैरों के नीचे रखने का लक्ष्य रखते हैं, जिससे शरीर के पिछले हिस्से में गहरा खिंचाव पैदा होता है। यह मुद्रा अपने असंख्य लाभों के लिए जानी जाती है, जिसमें रीढ़, हैमस्ट्रिंग मांसपेशियां और निचले पैर के पिछले भाग के लचीलेपन को बढ़ाना शामिल है। इसके साथ ही पाचन अंगों को उत्तेजित करना भी शामिल है, जो पाचन में सुधार कर सकता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिला सकता है।

पादहस्तासन कैसे करते हैं?

पैरों के बीच 2 इंच की दूरी रखकर सीधे खड़े होकर इस आसान का अभ्यास शुरू करें। धीरे–धीरे साँस लेते हुए अपनी बाहों को ऊपर उठाएँ और अपने शरीर को कमर से ऊपर की ओर खींचें। साँस छोड़ते हुए धीरे–धीरे आगे की ओर झुकें, अपनी पीठ को सीधा रखते हुए अपनी हथेली को ज़मीन से छूने की कोशिश करें। सामान्य रूप से साँस लेते हुए 10–30 सेकंड तक इस स्थिति में रहें। धीरे–धीरे साँस लेते हुए वापस सीधे खड़े हों, अपनी बाहों को सिर के ऊपर फैलाएँ। फिर, धीरे–धीरे साँस छोड़ते हुए वापस शुरुआती स्थिति में आएँ और शरीर को आराम करने के लिए छोड़ दें।

पादहस्तासन करने के लाभ?

पादहस्तासन को मन को शांत करने, तनाव को कम करने और हल्के अवसाद को कम करने के लिए माना जाता है। यह मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को भी बढ़ाता है, जो एकाग्रता और मानसिक स्पष्टता में सुधार करने में मदद कर सकता है। नियमित रूप से पादहस्तासन करने से दिल का दौरा या दिल की बीमारी का खतरा कम होता है। 2014 में, एक अध्ययन ने सुझाव दिया कि पादहस्तासन शरीर में कोलेस्ट्रॉल और रक्त शर्करा के स्तर को बनाए रख सकता है। इस आसन से फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और श्वसन तंत्र में सुधार होता है। यह आसन अवसाद और थकान को दूर करने में सहायक है। यह शरीर को ऊर्जावान और स्फूर्ति प्रदान करता है। यह उन लोगों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है जो लंबे समय तक बैठने के प्रभावों का प्रतिकार करना चाहते हैं, क्योंकि यह शरीर के पूरे पिछले हिस्से को फैलाता है और उसमें लचीलापन बढ़ाता है। लगातार अभ्यास से बेहतर शारीरिक और मानसिक संतुलन प्राप्त होता है, जिससे पादहस्तासन किसी भी योगाभ्यास का एक मूल्यवान हिस्सा बन जाता है।

संक्षिप्त

पाटलीपुत्र और गोरखपुर के बीच दौड़ेगी वंदे भारत

पाटलिपुत्र से गोरखपुर का सफर अब और भी आसान होने वाला है। इस रूट पर अब वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पटरियों पर दौड़ती दिखेगी। इस रूट पर अब वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन भी चलने वाली है। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीवान से 20 जून को वर्चुअली करेंगे। सीवान में ही कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। पाटलिपुत्र जंक्शन से गोरखपुर तक जाने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस को लेकर बता दें कि बीते बुधवार को ट्रेन पटना पहुंची है। इसके उद्घायन को लेकर पाटलिपुत्र जंक्शन पर तैयारी शुरू हुई है। बता दें कि वंदे भारत ट्रेन का रखरखाव गोरखपुर वर्कशॉप पर किया जाएगा। वहीं इसकी साफ सफाई का कार्य पाटलिपुत्र जंक्शन पर होगा। वंदे भारत एक्सप्रेस का रूट और समय को लेकर अब तक जानकारी सामने नहीं आई है। संभावना है कि इसका स्टॉप हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, बेतिया और नरकटियागंज में होगा। सुबह 5.40 बजे ये ट्रेन गोरखपुर से रवाना होगी। इसके बाद ये कप्तानगंज, नरकटियागंज, बेतिया, बापूधाम मोतिहारी और मुजफ्फरपुर जंक्शन पर ब्रेक लेगी। दोपहर लगभग 12.45 बजे इस ट्रेन को पाटलिपुत्र पहुंचना है। पाटलिपुत्र से वापसी में यह ट्रेन दोपहर करीब 3:30 बजे रवाना होगी। रात 10.20 बजे इस ट्रेन को गोरखपुर पहुंचना होगा। इस ट्रेन में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए पाटलिपुत्र से गोरखपुर तक के लिए एसी चेयर कार के लिए 740 रुपये किराया होगा। वहीं एग्जीक्यूटिव क्लास के लिए 1540 रुपये किराया देना होगा। पाटलिपुत्र से मुज्फरपुर तक के लिए चेयर कार का किराया 295 रुपये और एग्जीक्यूटिव क्लास के लिए किराया 625 रुपये होगा।

ओला ने खत्म किया ड्राइवरों से लेने वाला कमीशन शुल्क

भाविश अग्रवाल द्वारा स्थापित राइड–हाइलिंग कंपनी ओला ने बड़ा फैसला कर पूरे भारत को हैरान कर दिया है। अब ओला पूरे भारत में शून्य–कमीशन मॉडल लागू कर चुकी है। इस मॉडल के तहत ड्राइवर–भागीदारों को ग्राहकों से पूरा किराया लेने की अनुमति दी गई है। इसमें राइड या आय की कोई सीमा तय नहीं की गई है। यानी अब राइडर जो भी राइड लेगा उसमें उसे कोई कमीशन नहीं देना होगा। इस पहल से ऑटो–रिक्शा, बाइक और टैक्सी जैसी सभी वाहन श्रेणियों के 1 मिलियन से अधिक

चालक–भागीदारों को लाभ मिलेगा। पीटीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी ने देशभर में यह पहल शुरू की है, जिससे ऑटो, बाइक और कैब के ड्राइवरों को अपनी योजना चुनने और अपनी कमाई का 100: हिस्सा रखने की अनुमति मिलती है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इसमें कोई कमीशन या कमाई की सीमा नहीं होगी, बल्कि ड्राइवर भागीदारों को अप्रतिबंधित आय के अवसर मिलेंगे। पूरे भारत में शून्य प्रतिशत कमीशन मॉडल का शुभारंभ राइड–हेलिंग व्यवसायों में एक मौलिक बदलाव का प्रतीक है। पीटीआई के अनुसार कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, ष्कमीशन हटाने से ड्राइवर साझेदारों को अधिक स्वामित्व और अवसर प्राप्त होंगे।ष ड्राइवरों की भूमिका पर जोर देते हुए प्रवक्ता ने कहा, ष्उन्हें अपनी कमाई पर पूर्ण नियंत्रण देने से देश भर में अधिक लचीला और टिकाऊ राइड–हेलिंग नेटवर्क बनाने में मदद मिलेगी। ओला ने इस योजना को चरणबद्ध तरीके से शुरू किया, शुरुआत में ओला ऑटो, उसके बाद ओला बाइक और अंत में ओला कैब्स के साथ। कंपनी का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य ग्राहकों पर अतिरिक्त लागत लगाए बिना ड्राइवरों की आर्थिक स्वतंत्रता और भविष्य की सुरक्षा को बढ़ावा देना है। इससे पहले ओला प्रत्येक सवारी पर 15–20: कमीशन लेती थी। नए शून्य–कमीशन मॉडल के तहत, कंपनी अपने प्लेटफॉर्म तक पहुंच के लिए ड्राइवरों से एक निश्चित दैनिक या मासिक शुल्क वसूल करेगी। इससे ड्राइवरों को एक निश्चित योजना चुनकर पूरा किराया रखने की सुविधा मिलती है। ओला के प्रवक्ता ने कहा कि यह राष्ट्रव्यापी लॉन्च राइड–हेलिंग उद्योग में एक मौलिक बदलाव है, जो ड्राइवर–भागीदारों को अधिक स्वामित्व और अवसर प्रदान करता है। भारत की कुछ लाभदायक इंटरनेट कंपनियों में से एक ओला, चालक की पृष्ठभूमि जांच, वाहन की गुणवत्ता का आकलन और इन–ऐप आपातकालीन सुविधाओं जैसे कड़े उपायों के माध्यम से यात्री सुरक्षा को प्राथमिकता देती है। उद्योग विशेषज्ञों का मानना घ्है कि शून्य कमीशन मॉडल से न केवल ड्राइवरों की आय बढ़ेगी, बल्कि प्रतिस्पर्धी बाजार में ओला की स्थिति भी मजबूत होगी। रैपिडो और नम्मा यात्री जैसे प्रतिस्पर्धी पहले से ही इसी तरह के सॉफ्टवेयर–एज–ए–सर्विस आधारित मॉडल को अपना चुके हैं। भारत के राइड–हेलिंग क्षेत्र के 2024 में अनुमानित राजस्व 7.53 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2029 तक 11.64 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, ओला का नया मॉडल इस क्षेत्र को अधिक टिकाऊ और समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 82 अंक टूटा, निफ्टी भी फिसला

नई दिल्ली। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच शेयर बाजार में मामूली गिरावट दर्ज की गई। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान पर बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 82.79 अंक या 0.10 प्रतिशत गिरकर 81,361.87 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 18.80 अंक या 0.08 प्रतिशत गिरकर 24,793.25 अंक पर बंद हुआ।

सुदर्शन या करुण, भारत का नया नंबर-3 कौन ? नीतीश-शार्दुल और कुलदीप में किसे मिलेगा मौका ?

लीड्स। भारत और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। लीड्स में मुकाबले की शुरुआत भारतीय समयानुसार दोपहर साढ़े तीन बजे होगी। वहीं, टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी दोपहर तीन बजे होगा। इस टेस्ट के साथ भारत और इंग्लैंड की टीमें अपने विश्व टेस्ट चौंपियनशिप 2025–27 चक्र की शुरुआत करेंगी। भारतीय टीम की कमान जहां युवा शुभमन गिल संभालेंगे, वहीं इंग्लैंड की कप्तानी दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स करेंगे। इंग्लिश टीम ने बुधवार को ही प्लेइंग–11 की घोषणा कर दी थी। वहीं, टीम इंडिया टॉस से ठीक पहले इसका एलान करेगी। हालांकि, भारतीय प्लेइंग–11 को लेकर जद्दोजहद अभी तक जारी है। भारतीय प्लेइंग–11 के आठ खिलाड़ी लगभग तय हैं, जबकि तीन स्थानों को लेकर टीम मैनेजमेंट और मुख्य कोच गौतम गंभीर को माथापच्ची करनी पड़ रही है। इन स्थानों के लिए साई सुदर्शन, करुण नायर, नीतीश रेड्डी, शार्दुल ठाकुर और कुलदीप यादव के बीच जंग है। गिल के नेतृत्व में एक युवा टीम इंडिया इस सीरीज में उतरेगी। विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास के बाद उनके रिक्त स्थानों को भरने के लिए कौन सा खिलाड़ी अच्छ प्रदर्शन करेगा यह तो वक्त ही बताएगा, लेकिन उनकी जगह पर आजमाया किसे जाए, यह सबसे बड़ा सवाल है। रोहित की जगह केएल राहुल के बतौर सलामी बल्लेबाज आने की पूरी संभावना है। राहुल का इंग्लैंड में रिकॉर्ड भी शानदार रहा है और युवा यशस्वी जायसवाल के साथ उनका अनुभव काम आ सकता है। यशस्वी का यह पहला इंग्लैंड दौरा है, जबकि राहुल वहां नौ मैचों की 18 पारियों में 34.11 की औसत से 614 रन बना चुके हैं। इनमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है। वहीं, उप–कप्तान ऋषभ पंत ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में नंबर–चार और पांच तय होने की बात कही थी। विराट कोहली द्वारा रिक्त किए गए चौथे नंबर पर कप्तान शुभमन गिल बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे, जबकि पंत पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करना जारी रखेंगे। मध्यक्रम की पूरी जिम्मेदारी इन्हीं दोनों के मजबूत कंधों पर होगी।

अर्शदीप, प्रसिद्ध और आकाश में किसे मिलेगा मौका?

वहीं, ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा का बतौर स्पिनर खेलना तय है। वहीं, तेज गेंदबाजी का दारोमदार अनुभवी जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज के कंधों पर होगा। इन दोनों का खेलना लगभग तय है। तीसरे पेसर के तौर पर प्रसिद्ध कृष्णा का खेलना लगभग तय माना जा रहा है। लीड्स की पिच पर उनकी हिट द डेक गेंद घातक साबित हो सकती हैं। हालांकि, प्लेइंग–11 में उनकी टक्कर अर्शदीप सिंह से हो सकती है। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि टीम मैनेजमेंट एक बाएं हाथ का तेज गेंदबाज चाहता है या नहीं। अर्शदीप ने काउंटी क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है जो उनके दावे को मजबूत करता है। हालांकि, उनके पास टेस्ट खेलने का अनुभव नहीं है और इस वजह से प्रसिद्ध को मौका मिल सकता है। आकाश दीप एक अन्य विकल्प हैं, लेकिन उन पर प्रसिद्ध को तरजीह मिलना तय है। इनके अलावा टीम में नंबर–तीन, नंबर–छह और एक गेंदबाज की जगह खाली है। इसी को लेकर असली जंग है।

छह बल्लेबाज के साथ उतरेगा भारत?

उप–कप्तान पंत ने बताया था कि नंबर तीन को लेकर अभी तक चर्चा चल रही है। इसका मतलब है कि टीम मैनेजमेंट इस पर विचार कर रहा है कि एक ऑलराउंडर को मौका दिया जाए या एक अतिरिक्त बल्लेबाज को खिलाया जाए। नंबर तीन पर साई सुदर्शन के डेब्यू की काफी बातें चल रही हैं। हालांकि, करुण नायर ने हाल ही में इंडिया–ए से खेलते हुए नंबर तीन पर बल्लेबाजी की थी और दोहरा शतक जड़ा था। करुण फिलहाल जीवन के सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में चल रहे हैं और एक इनफॉर्म बल्लेबाज को प्लेइंग–11 से दूर रखना टीम मैनेजमेंट के लिए आसान नहीं होगा। ऐसे में सुदर्शन को नंबर–तीन और करुण को नंबर छह पर खेलने का मौका मिल सकता है। हालांकि, इस कॉम्बिनेशन में भारत के पास गेंदबाजी के पांच विकल्प ही होंगे और कोई छठा गेंदबाज टीम के पास नहीं होगा। वहीं, अगर नंबर तीन पर सुदर्शन और करुण में से किसी एक को मौका मिलता है तो नंबर छह पर शार्दुल या नीतीश में से किसी एक को और एक गेंदबाज के रिक्त स्थान पर कुलदीप यादव को खिलाया जा सकता है।

लीड्स में तेज गेंदबाजों का रहा है बोलबाला

लीड्स की बात करें तो वहां अब तक खेले गए कुल टेस्ट में से तेज गेंदबाजों ने 1773 विकेट चटकाए हैं। इनमें से 1618 विकेट दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने चटकाए हैं। वहीं, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने 155 विकेट लिए हैं। वहीं, लीड्स में स्पिनरों को 612 विकेट मिले हैं। इसमें से दाएं हाथ के स्पिनर ने 383 विकेट और बाएं हाथ के स्पिनर ने 229 विकेट लिए हैं। इस रिकॉर्ड को देखा जाए तो टीम इंडिया अर्शदीप पर प्रसिद्ध को तरजीह दे सकती है। बहुत हद तक संभावना है कि टीम इंडिया पहले टेस्ट में छह बल्लेबाज, एक स्पिनर और चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरेगी। भारत और इंग्लैंड के बीच लीड्स में अब तक कुल मिलाकर सात टेस्ट खेले गए हैं। इनमें से टीम इंडिया को सिर्फ दो टेस्ट में जीत मिली है। चार में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। एक टेस्ट ड्रॉ रहा है। भारत और इंग्लैंड के बीच ओवरऑल 136 टेस्ट खेले गए हैं। इनमें से भारत ने 35 मुकाबले और इंग्लैंड ने 51 टेस्ट जीते हैं। 50 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं।

भारत और इंग्लैंड के बीच पहले टेस्ट में बारिश बनेगी विलेन ? जानें कैसा रहेगा मौसम का हाल

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला कल यानी 20 जून से लीड्स के हेडिंग्ले मैदान में खेला जाने वाला है। विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद पहली बार भारतीय टीम युवा टैलेंट के साथ मैदान में उतर रही है। क्रिकेट फैंस के लिए अच्छी खबर ये है कि मैच के दौरान बारिश की कोई संभावना नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, लीड्स में अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। ऐसे में फैंस को बिना बारिश की चिंता किए पूरे पांच दिन क्रिकेट का लुत्फ उठाने का मौका मिलेगा। हेडिंग्ले की पिच हमेशा से ही गेंदबाजों को मदद देने वाली रही है, खासकर तेज गेंदबाजों को ये पिच ज्यादा फेवर करती है। पहले दिन ही पहली पारी में नई गेंद से बल्लेबाजों को काफी सतर्क रहना होगा क्योंकि पहले सेशन में तेज गेंदबाजों को स्विंग और सीम मूवमेंट से काफी मदद मिल सकती है। ऐसे में शुरुआती कुछ ओवर बल्लेबाजों के लिए चुनौतीपूर्व हो सकते हैं तो बल्लेबाजों को थोड़ा रुककर खेलना होगा। मैच में जीत हार कि दिश तय करने के लिए पहली इनिंग में ही बढ़त बनाना फायदेमंद साबित होगा। हेडिंग्ले की इस पिच पर अब तक 84 टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं। जिनमें से 29 बार पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को जीत मिली है। जबकि 36 बार दूसरी पारी में खेलने वाली टीम ने जीत दर्ज की है। यही कारण है कि टॉस जीतने के बाद ज्यादातर टीमें पहले गेंदबाजी करने को देखती हैं। इस मैदान पर सबसे बड़ी सफल रन चेज 404/3 की रही है, जो इस पिच के चेजिंग फ्रेंडली नेचर को दर्शाती है। इस पिच पर मैच जैसे–जैसे आगे बढ़ता है, औसत स्कोर भी वैसे–वैसे गिरता जाता है, इसलिए दूसरी इनिंग में बल्लेबाजी करना थोड़ा आसान हो जाता है।

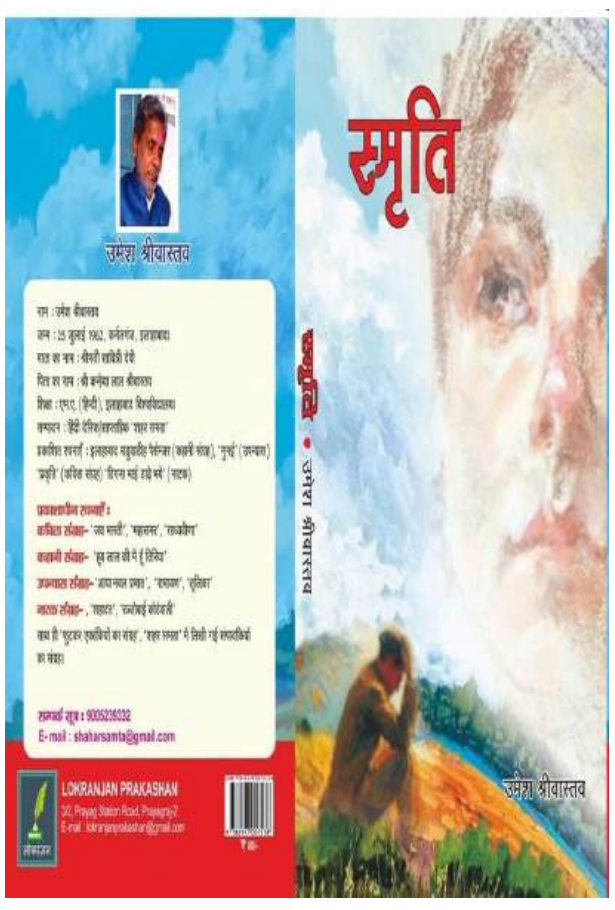

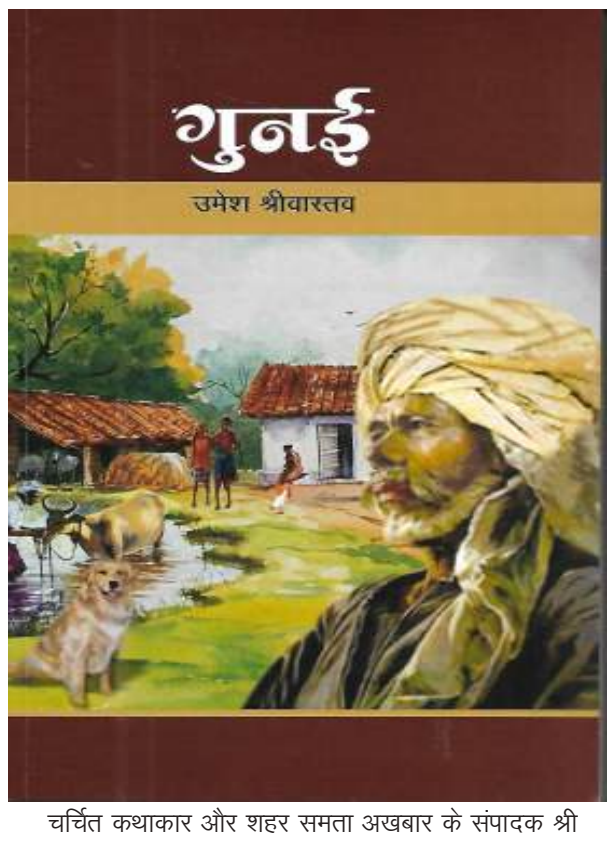

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

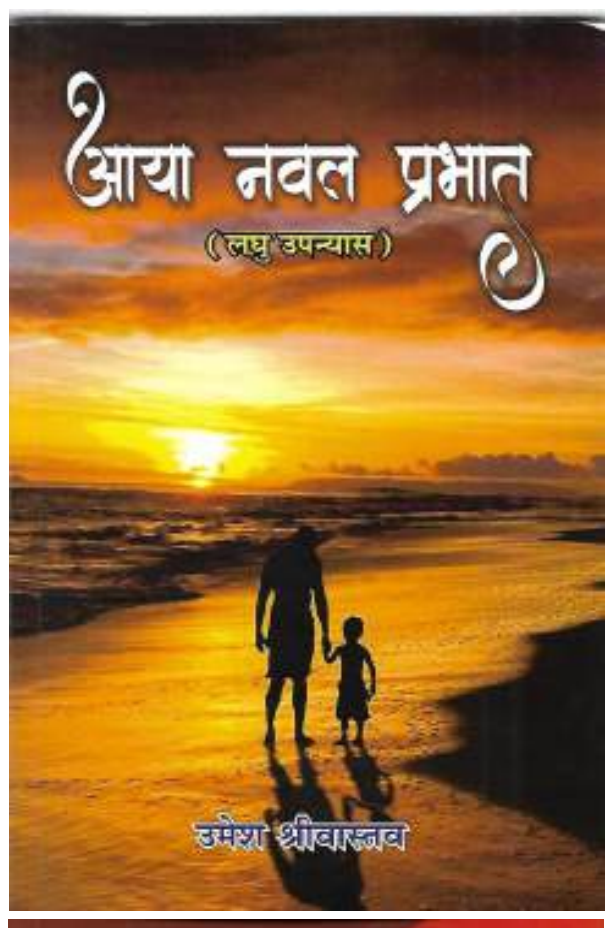

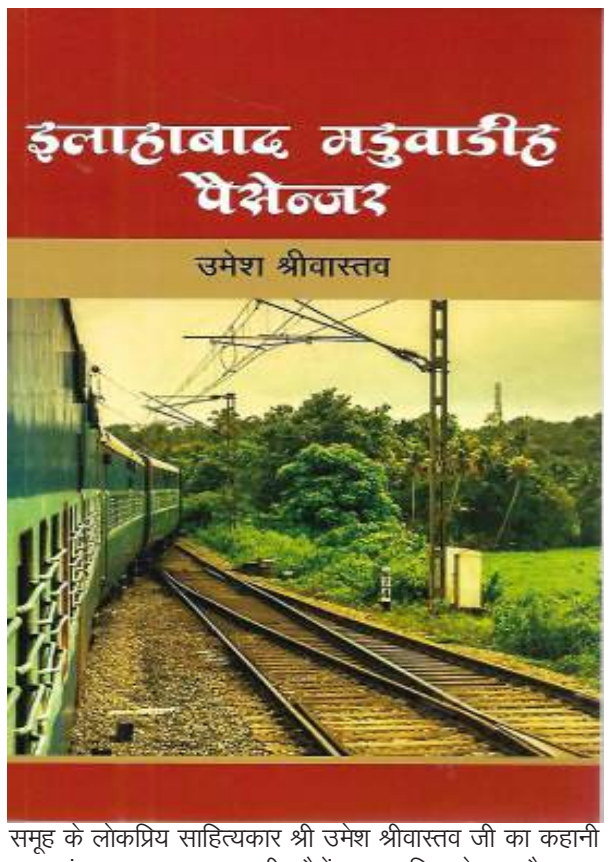

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

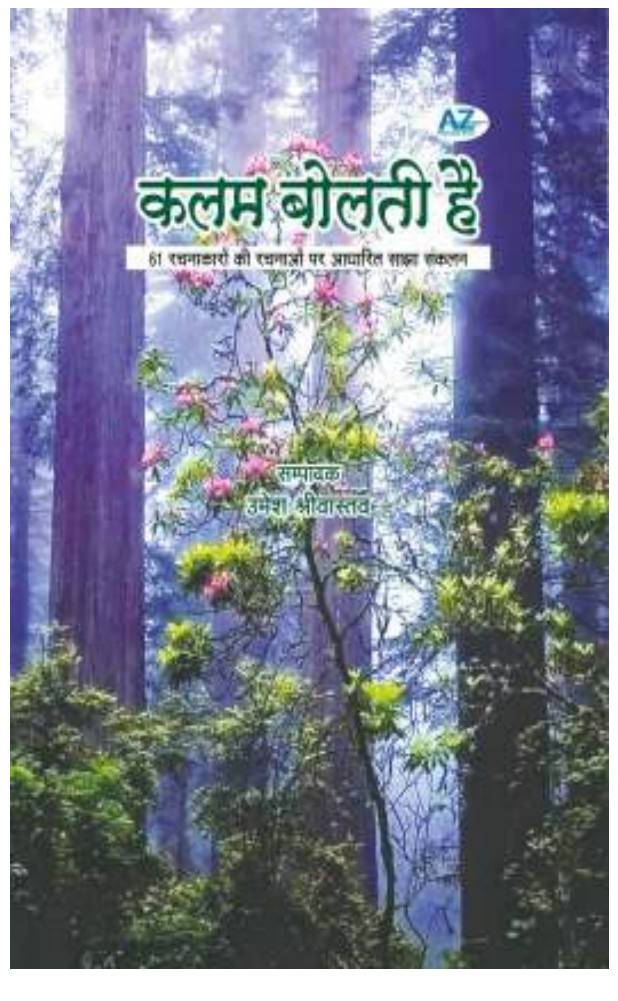

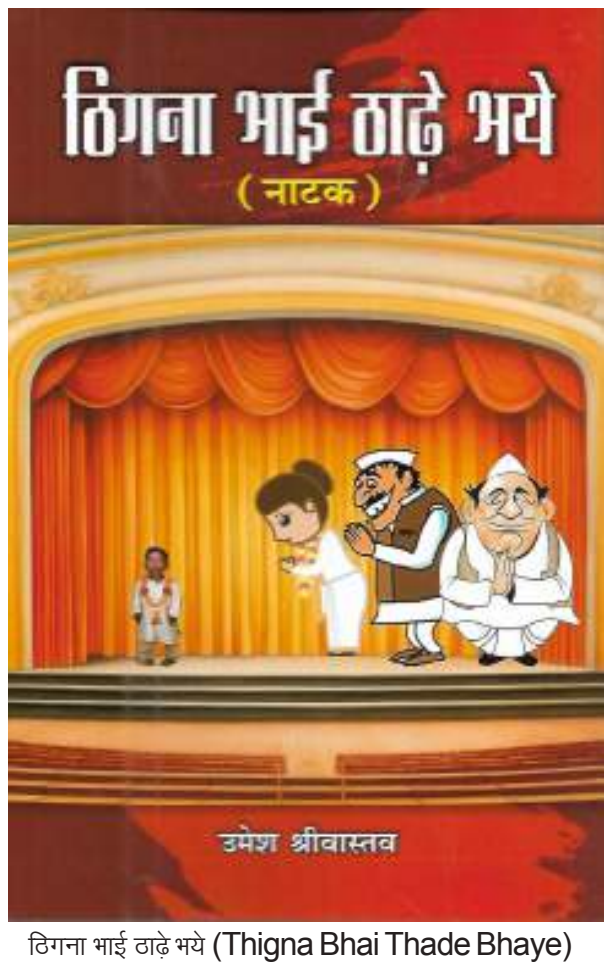

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ब्रिटेन में भारतीय डॉक्टर को मिला लेखन का शीर्ष सम्मान, इंडिया ग्लोबल फोरम में किया गया सम्मानित

लंदन। ब्रिटेन की संस्कृति मंत्री लिजा नंदी ने भारतीय डॉक्टर शालिनी मलिक को आईजीएफ आर्चर–अमीश अवार्ड से सम्मानित किया। सर्वश्रेष्ठ लेखन के लिए यह अवार्ड दिया जाता है, जो ब्रिटेन और भारत के मशहूर लेखकों लॉर्ड जेफ्री आर्चर और अमीश त्रिपाठी के नाम पर बना है। इस अवार्ड के तहत डॉ. शालिनी मलिक को 25 हजार डॉलर की इनामी राशि मिली। डॉ. शालिनी मलिक को यह अवार्ड उनके उपन्यास श्द वे होमश के

लिए दिया गया। इस उपन्यास में तीन युवाओं की कहानी है, जो गोवा में शरण लेते हैं और अपने निजी दुखों से जूझते हैं। इस उपन्यास को दुख, पहचान और उपचार की मार्मिक खोज के लिए सर्वश्रेष्ठ कृति के रूप में चुना गया। इंडिया ग्लोबल फोरम में लंदन में डॉ. शालिनी को इस अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस दौरान ब्रिटिश मंत्री ने भारत और ब्रिटेन के सांस्कृतिक संबंधों की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के लोगों के लोगों से संबंध बेहद अहम हैं। अवार्ड मिलने पर डॉ. शालिनी ने कहा कि बतौर एक लेखक मैं पूरी तरह से निशब्द और बेहद खुश हूं। डॉ. शालिनी ने कहा कि इस अवार्ड से अब उन्हें दूसरी किताब लिखने की भी प्रेरणा मिलेगी। यह आईजीएफ आर्चर अमीश अवार्ड बीते साल ही शुरू किया गया था और डॉ. शालिनी को ही यह पहला अवार्ड मिला है।

थाई पीएम की कंबोडिया के नेता के साथ फोन पर बातचीत का ऑडियो लीक, मचा सियासी बवाल

बैंकॉक। थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा ने गुरुवार को माफी मांगी। दरअसल, कंबोडिया के एक पूर्व नेता के साथ उनकी बातचीत की रिकॉर्डिंग लीक हो गई। इसके बाद दोनों देशों के बीच सीमा विवाद पर नया सियासी बवाल खड़ा हो गया। सरकार की एक बड़ी सहयोगी पार्टी गठबंधन से बाहर निकली, तो पैटोंगटार्न के इस्तीफे की मांग और तेज हो गई। इससे उनकी पहले से ही डगमगा रही सरकार और कमजोर हो गई, जिसे उनकी पार्टी श्फ्यू थाई पार्टीश चला रही है। पैटोंगटार्न को पहले से ही यह कहकर आलोचना झेलनी पड़ रही थी कि वह कंबोडिया के प्रति बहुत नरम रवैया रखती हैं, खासकर दक्षिणपंथी राष्ट्रवादियों की ओर से, जो उनके पिता थाकसिन शिनावात्रा (पूर्व प्रधानमंत्री) के पुराने विरोधी हैं। 8 मई को थाईलैंड और कंबोडिया के बीच एक छोटे से इलाके में हथियारों के साथ झड़प हुई थी। इसे दोनों देश अपना हिस्सा मानते हैं। इसे श्नौ मैन्स लैंडश कहा जाता है। इसमें एक कंबोडिया का सैनिक मारा गया था।

कॉल रिकॉर्डिंग कैसे लीक हुई?

कंबोडिया की संसद के अध्यक्ष हुन सेन ने बुधवार को उस बातचीत की पूरी 17 मिनट की रिकॉर्डिंग अपने फेसबुक पर डाल दी, जबकि उसका एक छोटा हिस्सा पहले ही लीक हो गया था। हुन सेन ने कहा कि उन्होंने यह बातचीत इसलिए रिकॉर्ड की ताकि कोई गलतफहमी न हो या झूठी बातें न फैले। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने यह रिकॉर्डिंग कम से कम 80 लोगों को भेजी है।

फोन कॉल में क्या कहा गया?

रिकॉर्डिंग में सुना गया कि पैटोंगटार्न ने हुन सेन को अंकल कहा, जब दोनों नेता दोनों देशों की भाषाओं के अनुवादकों के जरिए यह चर्चा कर रहे थे कि सीमा पर लगे प्रतिबंधों को हटाना चाहिए या नहीं, जो उस झड़प के बाद लगाए गए थे। विवाद इस बात पर भी हुआ कि पैटोंगटार्न ने उस थाई सेना अधिकारी को श्विरोधीश कहा, जो उस सीमा इलाके की जिम्मेदारी संभाल रहा था, जहां झड़प हुई थी। आलोचकों का कहना है कि वह हुन सेन को बहुत ज्यादा खुश करने की कोशिश कर रही थीं, जिससे थाईलैंड कमजोर दिखा।

पूर्व राष्ट्रपति क्रिस्टिना फर्नांडिज की नजरबंदी शुरू हुई, हजारों लोग समर्थन में सड़क पर उतरे

ब्यूनस आर्यस। अर्जेंटीना की पूर्व राष्ट्रपति क्रिस्टिना फर्नांडेज की भ्रष्टाचार के आरोप में दोषी पाए जाने के बाद छह साल घर में ही नजरबंद रहने की सजा शुरू हो गई है। साथ ही पूर्व राष्ट्रपति को राजनीति से भी पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। क्रिस्टिना के समर्थन में हजारों लोग सड़कों पर उतरे और पूर्व राष्ट्रपति के समर्थन में रैली निकाली। क्रिस्टिना फर्नांडेज साल 2004–2007 तक अर्जेंटीना की प्रथम महिला के पद पर रहीं। इसके बाद 2007 से 2015 तक दो बार अर्जेंटीना के राष्ट्रपति पद पर रहीं। साल 2019 से 2023 तक क्रिस्टिना अर्जेंटीना की उपराष्ट्रपति रहीं। इस तरह क्रिस्टिना का करीब दो दशकों तक अर्जेंटीना की राजनीति में दबदबा रहा है। आज भी क्रिस्टिना फर्नांडेज को राष्ट्रपति जेवियर मिलेई के विरोध का प्रमुख चेहरा माना जाता है। विभिन्न पोल्स से पता चला है कि अभी भी फर्नांडेज और उनकी पार्टी को अर्जेंटीना के 30 प्रतिशत लोगों का समर्थन हासिल है। नजरबंदी के खिलाफ बड़ी संख्या में लोगों का समर्थन मिलना भी इस बात का सबूत है। 72 वर्षीय फर्नांडीज ने अपने समर्थकों को रिकॉर्ड किए गए भाषण में कहा, श्हम वापस आएंगे, और, इससे भी बढ़कर, हम अधिक बुद्धिमत्ता, अधिक एकता और अधिक ताकत के साथ वापस आएंगे।श

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

पीएम मोदी की चेतावनी के बाद सुधर गये डोनाल्ड ट्रंप? पहली बार कहा–

भारत-पाकिस्तान के दो नेताओं ने सीजफायर रोका...

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के दो ''बहुत चतुर'' नेताओं ने एक ऐसा युद्ध जारी न रखने का ''निर्णय'' लिया जो परमाणु युद्ध में बदल सकता था। पिछले कुछ हफ्तों में यह पहली बार है जब ट्रंप ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच संघर्ष रोकने के लिए खुद श्रेय नहीं लिया है। ट्रंप ने बुधवार को व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की दोपहर के भोजन पर मेजबानी करने के बाद ओवल कार्यालय में मीडिया से बातचीत में ये टिप्पणियां कीं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह मुनीर से मुलाकात कर ''सम्मानित'' महसूस कर रहे हैं। यह पूछने पर कि क्या मुनीर के साथ हुई बैठक में ईरान पर चर्चा की गयी, ट्रंप ने कहा, ''खैर, वे ईरान को बहुत अच्छी तरह, ज्यादातर लोगों से बेहतर जानते हैं और वे किसी भी चीज से खुश नहीं हैं। ऐसा नहीं है कि इजराइल के साथ उनके खराब रिश्ते हैं। वे असल में दोनों को जानते हैं लेकिन शायद वे ईरान को बेहतर जानते हैं लेकिन वे देख रहे हैं कि क्या चल रहा है और उन्होंने मुझसे सहमति जतायी है।'' ट्रंप ने कहा, ''मैं उन्हें यहां इसलिए बुलाना चाहता था कि मैं युद्ध न करने, संघर्ष खत्म करने के लिए उनका शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। जैसा कि आप जानते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ समय पहले यहां से गए हैं और हम भारत के साथ एक व्यापार समझौते पर काम कर रहे हैं इसलिए भी मैं धन्यवाद देना चाहता हूं। हम पाकिस्तान के

साथ व्यापार समझौते पर काम कर रहे हैं।'' गौरतलब है कि ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कनाडा के कनैनिस्किस में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन के इतर मुलाकात करने का कार्यक्रम था लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति को इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष के कारण समय से पहले वाशिंगटन लौटना पड़ा, जिसके कारण उनकी मोदी से मुलाकात नहीं हो पायी। हालांकि, दोनों नेताओं ने फोन पर बातचीत की। ट्रंप ने कहा, ''वे दोनों (मोदी और मुनीर) यहां थे लेकिन कुछ सप्ताह पहले मैं मोदी के साथ था। मैं बहुत खुश हूं कि दो बहुत चतुर लोगों ने युद्ध आगे न बढ़ाने का फैसला किया। यह परमाणु युद्ध हो सकता था। वे दो परमाणु संपन्न देश, बहुत बड़ी परमाणु शक्तियां हैं और उन्होंने यह फैसला लिया।'' पिछले कुछ हफ्तों में यह पहली बार है जब ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष रोकने का श्रेय नहीं लिया है। भारत और पाकिस्तान के 10 मई को सैन्य संघर्ष रोकने का फैसला लेने के बाद से ट्रंप कई मौकों पर यह दावा करते रहे हैं कि उन्होंने दोनों देशों के बीच तनाव ''रोकने में मदद की'' और उन्होंने दोनों परमाणु संपन्न दक्षिण एशियाई देशों से कहा था कि अगर वे संघर्ष रोकते हैं तो अमेरिका उनके साथ ''बहुत व्यापार'' करेगा। मोदी ने कनैनिस्किस से रवाना होने से पहले ट्रंप से 35 मिनट तक फोन पर बातचीत की थी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कनैनिस्किस से एक वीडियो संदेश में कहा था कि मोदी ने ट्रंप को बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान किसी भी स्तर पर भारत–अमेरिका व्यापार समझौते या भारत और पाकिस्तान के बीच अमेरिका द्वारा मध्यस्थता के किसी प्रस्ताव पर कोई चर्चा नहीं हुई थी। मोदी ने कहा कि सैन्य कार्रवाई को रोकने पर चर्चा भारत और पाकिस्तान के बीच सीधे तौर पर दोनों देशों की सेनाओं के मौजूदा संवाद चौनलों के माध्यम से हुई थी और इसकी पहल पाकिस्तान की ओर से की गई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने साफ तौर पर कहा कि भारत कभी किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा और इस मामले पर भारत में पूरी तरह से राजनीतिक सर्वसम्मति है। मिसरी ने बताया कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद ट्रंप ने मोदी को फोन कर संवेदनाएं व्यक्त की थीं और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में उनका समर्थन किया था। कनैनिस्किस में मंगलवार को फोन पर हुई बातचीत अप्रैल के बाद से दोनों नेताओं के बीच ''पहली बातचीत'' है। मिसरी ने बताया कि ट्रंप ने प्रधानमंत्री की बातों को ध्यान से सुना और आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के प्रति अपना समर्थन जताया। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत अब आतंकवाद को छद्म युद्ध के रूप में नहीं, बल्कि एक युद्ध के ही रूप में देखता है और भारत का 'ऑपरेशन सिंदूर' अब भी जारी है। ट्रंप ने मोदी से पूछा कि क्या वह कनाडा से लौटते वक्त अमेरिका आ सकते हैं लेकिन प्रधानमंत्री को साइप्रस में शुरू अपनी तीन देशों के यात्रा के आखिरी चरण के तहत क्रोएशिया जाना था। मिसरी ने कहा कि पूर्व प्रतिबद्धताओं के कारण प्रधानमंत्री मोदी ने वाशिंगटन आने में असमर्थता जतायी और दोनों नेताओं ने निकट भविष्य में मुलाकात करने का प्रयास करने पर सहमति व्यक्त की। इससे पहले, ट्रंप ने मोदी को ''शानदार व्यक्ति'' बताते हुए कहा कि उन्होंने उनसे चर्चा की और इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता होगा। साथ ही उन्होंने अपना यह दावा भी दोहराया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने बुधवार को कहा, मैंने युद्ध रुकवाया है. .. मैं पाकिस्तान को पसंद करता हूं। मुझे लगता है कि मोदी एक शानदार इंसान हैं। मैंने कल रात उनसे बात की। हम भारत के साथ व्यापार समझौता करने जा रहे हैं, लेकिन मैंने पाकिस्तान और भारत के बीच युद्ध रुकवा दिया है।'' ट्रंप से पूछा गया कि पाकिस्तानी जनरल मुनीर के साथ बैठक से वह कूटनीतिक रूप से क्या हासिल करने की उम्मीद कर रहे हैं। इस पर ट्रंप ने मुनीर का जिक्र करते हुए कहा, ''पाकिस्तान की ओर से इसे (युद्ध) रोकने में इस व्यक्ति का बहुत प्रभाव था।'' उन्होंने कहा, ''भारत की ओर से मोदी और अन्य लोग थे। उनके बीच टकराव की जबरदस्त स्थिति थी और वे दोनों ही परमाणु संपन्न देश हैं। मैंने इसे रुकवाया। मुझे नहीं लगता कि मैं कोई कहानी सुना रहा था। क्या मैंने कोई कहानी लिखी थी... मैंने दो बड़े देशों, बड़े परमाणु संपन्न देशों के बीच युद्ध को रुकवाया।'' उन्होंने कहा कि लोग जानते हैं। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के करीब दो सप्ताह बाद पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। पहलगाम हमले में 26 लोगों की मौत हो गयी थी। इन हमलों के कारण चार दिन तक सैन्य संघर्ष हुआ, जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति के साथ समाप्त हुआ। दिल्ली में भारत सरकार के सूत्रों ने बताया कि भारत और पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच सैन्य कार्रवाइयों को तत्काल प्रभाव से रोकने पर सहमति बनी। उन्होंने कहा कि इसमें कोई तीसरा पक्ष शामिल नहीं था।

इजरायल पर टूट पड़ी एक साथ 50 मिसाइलें, मची चीख–पुकार, शहर छोड़ भागे लोग, रूह कंपाने वाला वीडियो आया सामने

ईरानी हमले से इजरायल में दहशत का माहौल है। वहां के लोग डरकर बंकर में छिपे हुए हैं। ईरान की तरफ से जिस तरह का हमला किया गया है, इजरायली नागरिक बंकर में छिपने को मजबूर हो गए हैं। ईरान के हमले से इजरायल में अलर्ट जारी कर दिया गया है। उत्तरी इजरायल में एयर रेड सायरन की आवाज गूंज रही है। इजरायल का हर कोने में अफरा तफरी का माहौल है। इससे साफ है कि ईरान बैकफुट पर आने वाला नहीं

है। इज़राइल ने तेहरान पर रात भर में एक बड़ा हवाई हमला किया, जिसमें 50 से अधिक लड़ाकू विमानों के साथ ईरानी मिसाइल और सेंट्रीफ्यूज उत्पादन स्थलों को निशाना बनाया गया। इज़राइल रक्षा बलों ने कहा कि हमलों का उद्देश्य ईरान के परमाणु हथियार कार्यक्रम में देरी करना था। IAEA ने तेहरान और करज में प्रमुख परमाणु सुविधाओं को नुकसान की पुष्टि की। ईरान ने फत्ताह मिसाइलों सहित सीमित मिसाइल फायर के साथ जवाबी कार्रवाई की, जिससे किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इस बीच, इज़राइल ने पहले के ईरानी हमलों में 24 लोगों की मौत और 800 से अधिक लोगों के घायल होने की सूचना दी। चल रही उड़ान बाधाओं और देश की घोषित आपातकाल की स्थिति के बीच फंसे हुए इज़राइली नागरिकों के लिए प्रत्यावर्तन प्रयास शुरू हो गया है। इज़रायली आपातकालीन सेवाओं का कहना है कि ईरान के ताज़ा हमलों में कम से कम 65 लोग घायल हुए हैं। इजराइल की आपातकालीन सेवाओं ने कहा कि गुरुवार को ईरान के हमलों की नवीनतम लहर में कम से कम 65 लोग घायल हो गए। इजराइल की आपातकालीन सेवा मैगन डेविड एडोम (एमडीए) ने गुरुवार को एक अपडेट में कहा कि तीन लोगों की हालत गंभीर है, जिनमें एक 80 वर्षीय पुरुष और लगभग 70 वर्षीय दो महिलाएँ शामिल हैं। दो लोगों की हालत भी "मध्यम" है और 42 लोगों को छर्रे और विस्फोट के कारण मामूली चोटें आई हैं। उन्होंने कहा कि आश्रय की ओर भागते समय 18 अन्य लोग घायल हो गए, लेकिन उनकी स्थिति के बारे में नहीं बताया। एमडीए की टीमें कई स्थानों पर चिकित्सा देखभाल प्रदान कर रही हैं और पीड़ितों को अस्पतालों में पहुँचा रही हैं।

अब तो ईरान भयंकर तबाही मचाएगा, 10 से 12 दिनों में खत्म हो जाएंगे इजरायल के हथियार

ईरान के साथ जारी युद्ध में इजरायल का आयरन डोम और अन्य एयर डिफेंस सिस्टम गंभीर संकट का सामना कर रहा है। वॉल स्ट्रीट जनरल की रिपोर्ट के अनुसार इजरायल के पास लंबी दूरी के मिसाइलों को रोकने वाले इंटरसेप्टर की संख्या तेजी से घट रही है और मौजूदा स्टॉक 10 से 12 दिन ही चल पाएगा। एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक अगर ईरान ने हमलों की यही रफ्तार बनाए रखी तो इजरायल को तय करना पड़ेगा की किस मिसाइल को रोका जाए और किसे नहीं। यानी अब हर हमले को इंटरसेप्ट करना मुमकिन नहीं होगा। 13 जून को इजरायल द्वारा ऑपरेशन राइजिंग लायन शुरू किए जाने के बाद से ईरानी सेना ने लगभग 400 बैलस्टिक मिसाइलें इजरायल की ओर दागी हैं। जो उसके कुछ अनुमानित 1000 मिसाइलों के जखीरे का एक हिस्सा है। इनमें

से कई मिसाइलें भूमिगत ठिकानों में छिपा कर रखी गई हैं। इजरायली सुरक्षा, विशेष रूप से उच्च ऊंचाई वाली बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने के लिए डिज़ाइन की गई एरो प्रणाली, अधिकांश आने वाली प्रक्षेपास्त्रों को बेअसर करने में कामयाब रही है। तेल अवीव में अधिकारियों नें श्र को बताया कि ईरान के एक तिहाई मिसाइल लांचर नष्ट कर दिए गए हैं और दावा किया है कि उन्होंने ईरानी आसमान पर हवाई श्रेष्ठता हासिल कर ली है। फिर भी, खुफिया सूत्रों ने चेतावनी दी है कि ईरान की मिसाइल सूची का आधा से अधिक हिस्सा बरकरार है, जिसका एक हिस्सा संभवतः भूमिगत सुविधाओं में छिपा हुआ है। इजराइल की बहुस्तरीय मिसाइल रक्षा प्रणाली – जिसमें आयरन डोम, डेविड स्लिंग, एरो सिस्टम और अमेरिका द्वारा आपूर्ति की गई पैट्रियट्स और ज्ञ।क बैटरियां शामिल हैं – को बनाए रखने की लागत एक गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है। इजराइली वित्तीय दैनिक द मार्कर ने अनुमान लगाया है कि रात्रिकालीन मिसाइल रक्षा संचालन की लागत 1 बिलियन शेकेल (+285 मिलियन) तक है। एरो सिस्टम अकेले ही 3 मिलियन डॉलर की कीमत वाले इंटरसेप्टर फायर करता है। ईरानी मिसाइल हमलों के लगभग प्रतिदिन जारी रहने के कारण, इजराइली वायु रक्षा भंडार अब गंभीर दबाव में हैं। अमेरिका और इजराइली खुफिया जानकारी से अवगत एक सूत्र ने WSJ को बताया कि संयुक्त राज्य अमेरिका से तेजी से आपूर्ति या प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के बिना, इजराइल अपने मिसाइल रक्षा को 10 या 12 दिनों तक और बनाए रख सकता है, यदि ईरान हमलों की स्थिर गति बनाए रखता है। सूत्र ने कहा, षसिस्टम पहले से ही अभिभूत है। जल्द ही, उन्हें यह चुनना पड़ सकता है कि किन मिसाइलों को रोकना है।

ब्रिटेन पहुंचे पीयूष गोयल ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मार गए लोगों को श्रद्धांजलि दी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लंदन की अपनी दो दिवसीय यात्रा की शुरुआत अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देकर की। लंदन के लिए रवाना हुआ एअर इंडिया का विमान 12 जून को अहमदाबाद में एक मेडिकल कॉलेज परिसर में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस

हादसे में 271 लोगों की मौत हो गई थी। दुर्घटना के लगभग एक सप्ताह बाद एअर इंडिया की उड़ान से लंदन पहुंचे गोयल ने बुधवार को 'इंडिया ग्लोबल फोरम' (आईजीएफ) के वार्षिक सम्मेलन 'यूके–इंडिया वीक स्टेज' में एक मिनट का मौन रखा। इस कार्यक्रम में 'यूके बिजनेस एंड ट्रेड' के सचिव जोनाथन रेनॉल्ड्स और आईजीएफ संस्थापक मनोज लाडवा भी शामिल हुए। मंत्री ने कहा कि दुर्घटना का कारण पता लगाने के लिए जांच जारी है। उन्होंने कहा कि इस घटना को दुनिया के लिए एक ''चेतावनी'' के रूप में देखा जाना चाहिए ताकि विमानन क्षेत्र के लिए सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल को बढ़ावा दिया जा सके। इस सम्मेलन से इतर गोयल ने 'पीटीआई' से कहा, ''मैं इस त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों के प्रियजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं।'' उन्होंने कहा, ''विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की जान चली गई। विमान में ब्रिटेन के 58 नागरिक सवार थे। यह घटना बेहद दुखद है। मैं दिवंगत आत्माओं के लिए प्रार्थना करता हूं और आशा करता हूं कि भगवान उनके परिवार के सदस्यों को इस क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।'' उन्होंने कहा, ''यह दैवीय घटना है। यह एक दुर्घटना है। बेशक, जांच जारी है लेकिन यह दुनिया के लिए एक चेतावनी है कि भविष्य में यात्रियों की सुरक्षा के लिए और अधिक सख्त प्रोटोकॉल को बढ़ावा दिया जाए।'' गोयल ने अपनी यात्रा के दौरान रेनॉल्ड्स से भारत–ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लागू करने के लिए बातचीत की। गोयल ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''मैंने दोनों देशों की महत्वाकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करने वाले इस मुक्त व्यापार समझौते को लागू करने के हमारे साझा लक्ष्य को दोहराया जो व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी है।'' बाद में गोयल ने शिखर सम्मेलन में ब्रिटेन की संस्कृति मंत्री लिसा नैंडी से मुलाकात की और सोशल मीडिया पर दिए गए बयान में कहा कि दोनों नेताओं ने ''जीवंत द्विपक्षीय संबंधों के अहम स्तंभ, सांस्कृतिक गठजोड़ और आदान–प्रदान को बढ़ाने के लिए नए क्षेत्रों की तलाश की।

ईरान–इस्राइल के बीच शांति समझौता करा सकता है रूस, राष्ट्रपति पुतिन ने की मध्यस्थता की पेशकश

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को पेशकश की कि वे ईरान और इस्राइल के बीच जारी जंग में मध्यस्थता करा सकते हैं। पुतिन ने कहा कि मॉस्को ऐसा समझौता करा सकता है, जिससे ईरान शांतिपूर्ण तरीके से अपना परमाणु कार्यक्रम भी संचालित कर सकेगा और इस्राइल की सुरक्षा संबंधी चिंताओं का भी समाधान हो सकेगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।